RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:196 ता. 01 फरवरी 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

9 लाख सरकारी वाहन 1 अप्रैल से सड़कों से हटेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पंद्रह साल से पुराने 9 लाख सरकारी वाहनों को एक अप्रैल के बाद सड़कों पर से हटा दिया जाएगा। इनके स्थान पर नए वाहन लगाए जाएंगे। ये वाहन केंद्रीय और राज्य सरकारों, परिवहन निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में लगे हुए हैं।

कबाड़ में बदलने की मंजूरी दी-उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार एथनॉल, मेथनॉल, बायो-सीएनजी, बायो-एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने कहा, हमने अब 15 साल से ज्यादा पुराने नौ लाख से अधिक वाहनों को कबाड़ में बदलने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही प्रदूषण फैला रहीं बसों और कारों को सड़क पर चलाने से रोक दिया गया है। उनके स्थान पर नए वाहन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की हाल में जारी अधिसूचना के अनुसार, पंद्रह साल पुराने केंद्र और राज्य सरकार के सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन एक अप्रैल से रद्द कर दिया जाएगा और उन्हें कबाड़ कर दिया जाएगा। इनमें परिवहन निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में लगे वाहन शामिल हैं। यह नियम देश की रक्षा के लिए अभियान में, कानून व्यवस्था लागू करने और आंतरिक सुरक्षा के लिए उपयोग किए जाने वाले विशेष उद्देश्य के वाहनों (बख्तरबंद और अन्य विशेष वाहन) पर लागू नहीं होगा। इसमें रजिस्टर्ड वाहन कबाड़ इकाई द्वारा ऐसे वाहनों को उनके पंजीकरण के दिन से 15 साल बाद मोटर वाहन (वाहनों के पंजीकरण और क्रियान्वयन कबाड़ इकाई) नियम, 2021 के अंतर्गत डिस्पोज किया जाएगा।

केंद्रीय बजट में नीति घोषित की थी-केंद्रीय बजट 2021-22 में घोषित नीति में निजी वाहनों के लिए 20 साल बाद और कमर्शियल वाहनों के लिए 15 साल बाद फिटनेस टेस्ट का प्रावधान है। 1 अप्रैल, 2022 से प्रभावी नई नीति के तहत, केंद्र ने कहा है कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के बाद खरीदे जाने वाले वाहनों के लिए रोड टैक्स पर 25 प्रतिशत तक की छूट देंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-

ऐसा भारत बनाना है, जिसमें गरीबी न हो; मोदी बोले- बजट से लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहली बार संसद के ज्वाइंट सेशन को संबोधित कर रही है। मुर्मू के आने पर पूरे सदन ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया। मुर्मू ने कहा- हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है। जो मानवीय दायित्वों का निर्वहन करने में सक्षम हो। जहां गरीबी न हो और मध्यम वर्ग वैभव से युक्त हो। युवा समय से दो कदम आगे चलते हों, ऐसा भारत हो।

मोदी ने कहा- बजट से लोगों को काफी उम्मीदें-सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- आज का दिन महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति मुर्मू संसद में पहली बार जॉइंट सेशन को संबोधित कर रही हैं। इस सदन में तकरार तो होगी ही, तकरीर भी होनी चाहिए। मोदी ने कहा- विपक्ष पूरी तैयारी के साथ आया है। हम बहुत अच्छी तरह मंथन करके देश के लिए अमृत निकालेंगे। हमारे देश के

बजट पर विश्व की नजर है। इस बजट से लोगों को काफी उम्मीदें होंगी। हमारे देश की ओर दुनिया आशा से देख रही है। हमार लक्ष्य देश पहले-देशवासी पहले होना चाहिए।

सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण की प्रमुख बातें-मुर्मू ने कहा- संसद के इस संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। कुछ ही महीने पहले देश ने अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे कर अमृतकाल में प्रवेश किया। अमृतकाल के 25 वर्ष का कालखंड स्वतंत्रता की स्वर्णिम शताब्दी और विकसित भारत के निर्माण का वक्त है। राष्ट्रपति ने कहा- हमारे सामने युग निर्माण का अवसर है। इसके लिए शत प्रतिशत सामर्थ्य के साथ काम करना है। हमें 2047 तक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है, जिसमें अतीत का गौरव और आधुनिकता का हर स्वर्णिम अध्याय हो। हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है। जो मानवीय दायित्वों का निर्वहन करने में सक्षम हो। गरीबी न हो, मध्यम वर्ग वैभव से युक्त हो। युवा समय से दो कदम आगे चलते हों, ऐसा भारत हो। जिसकी विविधता और उज्ज्वल और एकता और ज्यादा अटल हो। 2047 में जब ये सच्चाई जीवंत होगी तो उसकी नींव का अवलोकन भी करेगा। आज अमृतकाल का ये समय महत्वपूर्ण हो गया है। मेरी सरकार को देश के लोगों ने पहली बार सेवा का अवसर दिया तो सबका साथ-सबकाविकास के मंत्र से शुरुआत की थी। समय के साथ इसमें सबका प्रयास भी जोड़ा गया है। ये मंत्र राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा बन गया है। सरकार को कुछ ही महीने में 9 साल पूरे हो जाएंगे। इन 9 साल में भारत के लोगों ने सकारात्मक परिवर्तन देखे। आज हर भारतीय का आत्मविश्वास शीर्ष पर है। दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदला है। हम दुनिया पर निर्भर हुआ करते थे, आज दुनिया की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सदन में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया और आज बजट पेश होगा। यह लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट है। मोदी सरकार साल 2014 से अब तक कुल 9 बजट पेश कर चुकी है। इस साल 10वां बजट पेश करने जा रही है।

केजरीवाल को जान से मार दूंगा

पीसीआर में फोन कर धमकी देने वाले को क्यों पुलिस ने छोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस उस समय सकते में आ गई जब पीसीआर में आई एक कॉल पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी दी गई। तुरंत हरकत में आई पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। हालांकि, वह मानसिक रूप से विक्षिप्त निकला, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस वजह से उसे गिरफ्तार नहीं किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के नाम यह धमकी सोमवार को आधी रात के बाद दिया गया। 12:05 पर पीसीआर को एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि वह अरविंद केजरीवाल की हत्या कर देगा। कॉल के तुरंत बाद पुलिस हरकत में आई। फोन करने वाले का लोकेशन ट्रेस करके कुछ ही देर में पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। हालांकि, पुलिस जब आरोपी के पास पहुंची तो पता चला कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है। 38 वर्षीय इस शख्स का इलाज चल रहा है। उसकी मानसिक को देखते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। जयप्रकाश नाम का यह शख्स दिल्ली के एक अस्पताल में काम करता है। वह कुछ समय से मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। गुबाल बाग स्थित एक क्लीनिक में उसका इलाज करवाया जा रहा है।

अबु धाबी से मुंबई आ रही फ्लाइट में महिला ने उतारे कपड़े, क्रू मेंबर को मारा मुक्का; गिरफ्तार

मुंबई। अबु धाबी से मुंबई आ रही विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट(यूके-256) में उस समय हंगामा मच गया, जब इटली की रहने वाली एक महिला ने फ्लाइट में कपड़े उतार दिए और इधर-उधर घूमने लगी। रोकने पर महिला ने क्रू मेंबर्स से बदसलूकी की और हाथापाई पर भी उतारू हो गई। मुंबई में फ्लाइट लैंड होते ही क्रू मेंबर की शिकायत पर महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इटली रहने वाली महिला की पहचान पाओला पेरुशियो के रूप में हुई है। फ्लाइट में वह नशे में थी। उन्होंने बताया, आरोपी महिला के खिलाफ जांच पूरी करने के बाद चार्जशीट दाखिल की गई है। उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, जिसके बाद महिला को जमानत दे दी गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इटली रहने वाली महिला की पहचान पाओला पेरुशियो के रूप में हुई है। फ्लाइट में वह नशे में थी। उन्होंने बताया, आरोपी महिला के खिलाफ जांच पूरी करने के बाद चार्जशीट दाखिल की गई है। उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, जिसके बाद महिला को जमानत दे दी गई है।

पुलिस ने बताया, इटली की रहने वाली महिला फ्लाइट के दौरान बिजनेस क्लास में जाकर बैठ गई, जबकि उसके पास इकोनॉमी क्लास का टिकट था। जब क्रू मेंबर ने उसे अपनी सीट पर जाने को कहा, तो महिला उनसे बत्तमीजी करने लगी। उसने एक क्रू मेंबर को मुक्का मारा तो एक पर थूका भी। इसके बाद महिला ने कपड़े उतार दिए और इधर-उधर घूमने लगी।

महिला को सीट से बांधा गया-महिला के इस तरह के व्यवहार से फ्लाइट में हंगामा मच गया। इसके बाद कैप्टन के निर्देश पर क्रू मेंबर ने महिला को पकड़ा और उसे कपड़े पहनाए। महिला को एक सीट से बांध दिया गया और फ्लाइट के लैंड होने पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस मामले में विस्तारा एयरलाइंस की ओर से भी बयान जारी किया है। विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा, पायलट ने अन्य यात्रियों की सुरक्षा को लेकर नियमित घोषणाएं कीं। हालांकि, महिला के न मानने पर सुरक्षा एजेंसियों को फ्लाइट लैंड होने पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया। उन्होंने कहा, एसओपी के अनुसार घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है। विस्तारा अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर दृढ़ है।

अंडमान में आया भूकंप का तेज झटका, रिक्टर स्केल पर 4.9 रही तीव्रता

नई दिल्ली। अंडमान सागर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अंडमान में 31 जनवरी की सुबह लगभग 3:40 बजे 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से 77 किमी नीचे थी।

जानें क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

जानिए भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है?

भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

पीले होने जा रहे धीरेंद्र शास्त्री के हाथ

शादी पर खुलकर बताई 'मन की बात'; भगवान के भी गृहस्थ होने की दलील

छतरपुर। बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह जल्द शादी करने जा रहे हैं। चमत्कार के दावों और इसे दी गई चुनौती को लेकर सुर्खियों में आए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि देश में बहुत से संत गृहस्थ रहे हैं और भगवान भी गृहस्थ में अवतरित हुए। शास्त्री ने कहा कि वह गुरु की इच्छा के मुताबिक ब्रह्मचर्य के बाद गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करने जा रहे हैं। बागेश्वर धाम के प्रमुख ने रामचरितमानस की प्रतियां जलाए जाने की निंदा करते हुए कहा है कि हिंदुओं में फूट डालकर राज करने की कोशिश की जा रही है।

एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में धीरेंद्र शास्त्री से शादी को लेकर सवाल किया गया कि सोशल मीडिया पर खूब चर्चा चल रही है, वह कब ऐसा करने जा रहे हैं? हंसते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, बहुत जल्द करने जा रहे हैं। बहुत से ऐसे महात्मा हुए जो गृहस्थ थे। भगवान भी गृहस्थ में ही प्रकट होते हैं। पहले ब्रह्मचर्य, फिर गृहस्थ फिर वानप्रस्थ और फिर संन्यास की ओर बढ़ेंगे, ऐसा मेरे गुरु का आदेश है। बहुत जल्द करने वाले हैं। हम सबको कहेंगे कि सबको आना है। लेकिन इतने लोगों को बुला भी नहीं सकते हैं, कौन संभालेगा। इसलिए सबको लाइव दिखा देंगे, बहुत जल्द विवाह होगा। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा

कि सनातन की क्रांति आ चुकी है और भारत हिंदू राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। रामचरितमानस की प्रतियां जलाए जाने पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, यह घोर निंदनीय है। इसके पीछे लंबी साजिश है। हमने प्रत्येक सनातनी से प्रार्थना कि है कि इनको मजा चखाना पड़ेगा। इसमें वामपंथी, सनातन विरोधी हैं, जो भगवान राम का सबूत मांगते थे, वे सब इसमें शामिल हैं। उनकी नीति है कि हिंदुओं को लड़वाया जाए। हिंदुओं में फूट डालो और राज करो। इसलिए मैं कह रहा हूं कि उन्हें भारत में रहने का अधिकार नहीं है। शास्त्री ने कहा किॉ राजगद्दी पर बैठा हुआ हर नेता चाहें वह मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, सांसद या विधायक हों, उस के पूर्व वे सनातनी हैं, पद पर बैठे हुए भी सनातनी हैं, और पद के बाद रहेंगे, इसलिए उस लाइन को भूल जाना यानी अपने पिता को भूल जाने जैसा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के लिए यह कालखंड बहुत अच्छा है। धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों बागेश्वर धाम में एक बड़े यज्ञ की तैयारी में जुटे हैं, जिसका आयोजन 13 से 19 फरवरी के बीच मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित आश्रम में होने जा रहा है।

पांच साल बाद देखी गई जनवरी की बारिश में कमी

पुणे। पांच साल के बाद जनवरी के महीने में बारिश की कमी देखी गई है। मौसम विभाग ने बताया है कि जनवरी की बारिश पांच साल के निचले स्तर 12.4 मिमी पर पहुंच गई है। इस महीने में फिलहाल 25 प्रतिशत वर्षा की कमी चल रही है। वहीं, 31 जनवरी तक भी इस कमी को पूरा करने की कोई संभावना नहीं है। आईएमडी के आंकड़े बताते हैं कि पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की कमी आई है।

कम हुई बारिश

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की गतिविधि के कारण पश्चिम और उत्तर-पश्चिम भारत के इलाकों में जनवरी की बारिश आज की तारीख में सामान्य से अधिक रही है। वहीं इसकी कमजोर गतिविधि की वजह से पिछले साल दिसंबर में भी पूरे भारत में सर्दियों की बारिश सामान्य से कम रही। पिछले पश्चिमी विक्षोभ के कारण केवल पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पंजाब व हरियाणा के उत्तरी हिस्सों में ही वर्षा हुई। महापात्र ने कहा कि बारिश मंगलवार तक जारी रहने की संभावना है। उसके बाद इसमें कमी आएगी और महीने के अंत तक भी बारिश की कमी पूरी नहीं हो पाएगी।

गेहूं की फसल को लाभ

बारिश की कमी का असर सर्दियों की फसलों पर पड़ सकता है। इससे पहले, दिसंबर 2022 में भी 13.6 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। ये दिसंबर 2016 के बाद

सबसे कम मासिक मात्रा थी। आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिक राजबीर यादव ने मीडिया को बताया कि भारत में गेहूं के अधिकांश क्षेत्र सिंचित हैं। मध्यम बारिश ठंड की अवधि को बढ़ाएगी, जो गेहूं की फसल के उत्पादन के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि समय पर और हल्की सर्दियों की बारिश गेहूं के उत्पादन पर सिंचाई की लागत को काफी हद तक बचाएगी। ये उन किसानों के लिए विशेष रूप से सहायक है, जिनके पास सिंचाई की सुविधा कम है। यादव ने बताया कि बारिश के पानी में नाइट्रेट भी होता है, जो फसल के विकास के लिए फायदेमंद होता है।

कुछ फसलों को हुआ नुकसान

बता दें कि अक्सर सर्दियों में फसलों पर पाले का प्रकोप बढ़ जाता है। यादव ने कहा कि बारिश की कमी और अत्यधिक ठंड के कारण कुछ दिनों पहले सरसों की कुछ फसलों में पाला देखने को मिला था। इससे खासकर राजस्थान और हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में कुछ हद तक नुकसान हुआ है। आलू की फसल भी पत्ती झुलसने से प्रभावित हुई है, जो मुख्य रूप से ठंड के कारण होती है।

क्या कहते हैं आंकड़े

भारत में 2019 से लगातार जनवरी के महीने में अच्छी सर्दियों की बारिश हुई थी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2019 में 18.5 मिमी, 2020 में 28.3 मिमी, 2021 में 20.2 मिमी और 2022 में 39.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

महाराष्ट्र सरकार ने रेलवे परियोजनाओं का 50 प्रतिशत खर्च न उठाने का फैसला पलटा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में रेलवे परियोजनाओं का 50 प्रतिशत खर्च न उठाने के पूर्ववर्ती एमवीए सरकार के फैसले को पलट दिया है और सांसदों से विभिन्न लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए कहा है। सोमवार को यहां महाराष्ट्र के लोकसभा सांसदों से बात करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आम आदमी के लिए लाभकारी कई परियोजनाएं केंद्र सरकार के समक्ष लंबित हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उनमें तेजी लाने तथा उन्हें आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।'' इस बैठक में विपक्ष के कुछ सांसद अनुपस्थित रहे। शिंदे ने यह भी कहा कि सांसदों से मिली प्रतिक्रिया पर गौर किया जाएगा तथा स्थिति का जायजा लेने के लिए दो महीने बाद एक और बैठक होगी। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि रेलवे परियोजनाओं में 50 प्रतिशत का योगदान न देने के पूर्ववर्ती सरकार के निर्णय को अब पलट दिया गया है।

मध्य प्रदेश : कान्हा बाघ अभयारण्य में बाघिन ने पांच शावकों को जन्म दिया

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले के कान्हा बाघ अभयारण्य (केटीआर) में टी-27 नाम की एक बाघिन ने पांच शावकों को जन्म दिया है। यह जानकारी एक वन अधिकारी ने मंगलवार को दी। कान्हा बाघ अभयारण्य के क्षेत्र संचालक एस के सिंह ने बताया कि इस बाघिन को सोमवार को अपने पांचों शावकों के साथ घूमते देखा गया। उन्होंने कहा, ''बाघिन टी-27 सैलानियों के बीच डीजे के नाम से जानी जाती है। बाघिन को उसके शावकों के साथ मुक्की जोन में देखा गया है।'' सिंह ने कहा कि केटीआर में आने वाले पर्यटक बाघिन और उसके शावकों को देखकर काफी उत्साहित हैं। कान्हा बाघ अभयारण्य के वरिष्ठ वन्यजीव पशुचिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल ने बताया कि इस बाघिन की उम्र आठ से नौ वर्ष के बीच है और ये सभी शावक लगभग तीन महीने के हैं। उन्होंने कहा कि नवंबर 2022 में इस बाघिन ने अपने तीसरे प्रसव के दौरान इन शावकों को जन्म दिया। अखिल भारतीय बाघ अनुमान रिपोर्ट 2018 के अनुसार, मध्य प्रदेश में 526 बाघ हैं, जो देश के किसी भी राज्य में सबसे अधिक है। देश में बाघ गणना का काम पिछले साल पूरा हो गया था और अब इसकी रिपोर्ट आने वाली है। मध्य प्रदेश में कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, सतपुड़ा और पन्ना सहित कई बाघ अभयारण्य हैं।

इटली की नौसेना में शामिल हुई पंजाब की बेटी मनरूप कौर

चंडीगढ़ । पंजाब के जालंधर जिले के भंगाला गांव के पंजाबी परिवार की प्रतिभावान बेटी मनरूप कौर ने इटली की नौसेना में शामिल होकर भारत का नाम रोशन किया है। मनरूप कौर के पिता भूपिंदर सिंह और मां जसविंदर कौर इटली के विसेंजा के निकट शहर चियानपो में रहते हैं। मनरूप ने पिछले वर्ष इटली के रक्षा मंत्रालय द्वारा इतालवी नौसेना में शामिल होने के उद्देश्य से जारी नौसैनिक पदों के लिए आवेदन किया था। परीक्षा में उसने कई कठिन सवालों का जवाब देते हुए लिखित परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक हासिल किए। बाद में मनरूप ने अपने दैनिक अभ्यास की बदौलत शारीरिक परीक्षा में सभी परीक्षणों को सफलतापूर्वक पास किया और इतालवी नौसेना अधिकारी बनने के अपने सपने को साकार किया। मनरूप कौर इटली के सार्डिनिया राज्य में स्थित इतालवी नौसेना के मैडेलेना कोङ्क्षचग सेंटर से 5 सप्ताह का नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अब मोनफाल्कोन (गोरिसिया) में इतालवी नौसेना के एक भाग के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। मनरूप कौर ने मीडिया को बताया कि उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें इटली की नौसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और हर कदम पर उनका साथ दिया। मनरूप के माता-पिता ने भी अपनी बेटी की इस अनूठी उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई है।

स्टालिन सरकार ने बड़े फेरबदल के तहत 40 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए

चेन्नई । तमिलनाडु सरकार ने बड़े फेरबदल के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 40 अधिकारियों का तबादला किया है। इतना ही नहीं एक साल की अवधि के लिए अस्थायी आधार पर नए पदों को सृजित किया है। स्टालिन सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार ने मुख्य सचिव ग्रेड में अतिरिक्त मुख्य सचिव/परियोजना निदेशक तमिलनाडु सिंचित कृषि आधुनिकीकरण परियोजना के अस्थायी पद का सृजन किया है जो नियुक्ति की तारीख से एक साल के लिए या इसकी आवश्यकता समाप्त होने तक अथवा जो भी पहले हो प्रभावी होगा। सरकार ने एक साल के लिए आईएएस के उच्च प्रशासनिक ग्रेड में प्रमुख सचिव/ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज (प्रशिक्षण) आयुक्त का अस्थायी पद सृजित किया है। इस तरह के अस्थायी पदों को एक साल के लिए आदि द्रविड़ एवं आदिम जाति कल्याण विभाग सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवाएं विभाग में हिंदू धार्मिक एवं परमार्थ विभाग (एचआर एंड सीई) विभाग में विशेष कार्य अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग उद्योग निवेश प्रोत्साहन एवं वाणिज्य विभाग योजना एवं विकास विभाग में विशेष सचिव के पद को स्वीकृति दी गई है। परीक्षा नियंत्रक शिक्षक भर्ती बोर्ड मानव संसाधन और सीई आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशक और परियोजना निदेशक तमिलनाडु सड़क क्षेत्र परियोजना के लिए भी राज्य स्तर के आईएएस के अस्थायी पद सृजित किए गए हैं।

कश्मीर हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में भारी बर्फबारी रोड व एयर ट्रैफिक ठप बिजली-पानी की आपूर्ति प्रभावित

नई दिल्ली। ताजा बर्फबारी के कारण कश्मीर हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड में सड़क और हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। देश के बाकी हिस्सों से कश्मीर घाटी का संपर्क टूट गया और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। भारी बर्फबारी के कारण कई हाईवे और दूसरी सड़कों को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इन पहाड़ी राज्यों में कई इलाकों में बिजली की सप्लाई में भी बाधा आई। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर के 10 जिलों और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में एवलांच की चेतावनी जारी की गई है। सोमवार को कश्मीर और जम्मू के ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी के बाद श्रीनगर से आने-जाने वाली 68 उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं और श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया। चंद्रकोट और बनिहाल के बीच कई जगहों पर पत्थर गिरने और मिट्टी धंसने के कारण हाईवे पर यातायात को बंद करना पड़ा। हिमाचल प्रदेश में भारी हिमपात के कारण 496 सड़कें बंद हो गईं। मनाली-केलांग सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है। शिमला लाहौल और स्पीति और किन्नूर जिलों में लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। इन जगहों पर ज्यादातर सड़कें भारी बर्फ गिरने के कारण बंद हो गई हैं। साथ ही इससे बिजली की सप्लाई और पानी की सप्लाई पर भी असर पड़ा है। उत्तराखंड में गंगोत्री और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर बर्फ गिरने के बाद गाड़ियों की आवाजाही ठप हो गई। बहरहाल इन दोनों नेशनल हाईवे के कुछ हिस्सों को शाम तक साफ कर दिया गया। इसके साथ ही उत्तराखंड में कम से कम 10 लिंक रोड भी बंद कर दिए गए। उधर हिमाचल प्रदेश में अटल सुरंग के दक्षिण हिस्से पर 90 सेमी बर्फ गिरी जो राज्य में सबसे ज्यादा है। जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने डोडा किश्तवाड़ और पुंछ जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। हिमाचल प्रदेश में भी मनाली-लेह अक्ष धुंडी और ब्यास कुंड क्षेत्र में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई।

10 फरवरी को मुंबई से एक साथ दो वंदेभारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली । फरवरी में वंदेभारत ट्रेनों की कुल संख?या 10 हो जाएगी। मुंबई से एक साथ दो वंदेभारत ट्रेनों को प्रधानमंत्री 10 फरवरी को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। दोनों ट्रेनें अलग अलग मार्गों पर चलेंगी। देश की पहली वंदे भारत ट्रेन नई दिल?ली से भगवान शिव की नगरी काशी के बीच चली थी। यह ट्रेन फरवरी 2019 में चलाई गई थी। जबकि दूसरी ट्रेन को भी धार्मिक नगरी से जोड़ा गया और यह ट्रेन नई दिल्ली से श्री वैष्णो देवी कटरा के बीच संचालित की गई। तीसरी गांधीनगर से मुंबई के बीच चलाई गई चौथी नई दिल्ली से अंब अंदौरा स्टेशन हिमाचल के बीच शुरू की गई। पांचवीं वंदेभारत ट्रेन को चेन्नई से मैसूर के बीच चलाया गया। छठीं वंदेभारत नागपुर से बिलासपुर के बीच चलाई गई।

आजाद भारत के इतिहास में एक बार पेश किया गया था ब्लैक बजट

-तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत राव बी चव्हाण ने पेश किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम बजट की तैयारियां चल रही हैं। वित्त मंत्री 1 फरवरी 2023 को आम बजट पेश करेंगी। देश के आजाद होने के बाद से अभी तक कुल 74 वार्षिक बजट पेश हो चुके हैं। इसके अलावा 14 अंतरिम बजट चार विशेष बजट या लघु बजट पेश हो चुके हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि जवाहर लाल नेहरू इंदिरा गांधी और राजीव गांधी एकमात्र इसतरह के प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने बजट को पेश किया था। लेकिन क्या आप को ब्लैक बजट की जानकारी हैं। आजाद भारत में अभी तक एक बार ब्लैक बजट पेश किया गया था। देश में हर बार जब बजट पेश होता है तब एक नई उम्मीद लेकर आता है। इस बार बजट देश में वेतनभोगी वर्ग महिलाओं कारोबारियों आदि सभी को काफी उम्मीदें हैं। बजट नए सुधार नई योजनाएं और नए नियम देकर जाता है। साल 1997-98 में जो बजट पेश किया था उस ड्रीम बजट कहा जाता है लेकिन क्या आपको पता है ब्लैक बजट के बारे में। आजाद भारत में अभी तक सिर्फ एक बार ही ब्लैक बजट पेश करना पड़ा है।

ड्रीम बजट के बारे में नाम से समझ आता है। इस जनता के सपनों का बजट कहते हैं। लेकिन साल 1973 में ब्लैक बजट को पेश किया गया था। दरअसल ब्लैक बजट उस बजट को कहते हैं जिसमें सरकार को खर्च में कटौती करनी पड़ जाए। ब्लैक बजट को साधरण भाषा में समझिए अगर सरकार की आमदनी 100 रुपये हो और उसका खर्च 125 रुपये हो तब सरकार को बजट में 25 रुपये की कटौती करनी पड़ जाएगी। इसके बाद इस ब्लैक बजट कहा जाएगा। बात साल 1973-74 की है। इस दौरान सरकार ने जो बजट पेश किया था वहां 550 रुपये घाटे का था। ऐसा इसलिए था कि साल 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। इसके बाद देश में हालात काफी खराब हो गए थे। देश आर्थिक संकट से जूझ रहा था। यह वहां साल था जब मानसून भी अच्छा नहीं हुआ था। उस समय इंदिरा गांधी की सरकार थी। इन सभी हालातों की वजह से देश की कमाई कम और खर्चा ज्यादा हो गया था। देश की अर्थव्यवस्था का काफी नुकसान हुआ था। उस समय के वित्त मंत्री यशवंत राव बी चव्हाण को ब्लैक बजट पेश करना पड़ गया था।

जब ब्लैक बजट पेश किया गया तब उसमें सामान्य बीमा कंपनियों भारतीय कॉपर कॉरपोरेशन और कोल माइन के राष्ट्रीयकरण के लिए 56 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। हालांकि बजट में 550 करोड़ रुपये का घाटा दिखाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि कोयले की खदानों का राष्ट्रीयकरण किए जाने से काफी असर पड़ा था। कोल माइंस पर सरकार के नियंत्रण से मार्केट कॉम्पिटिशन खत्म हो गया था। आमतौर पर देश में आम बजट ही पेश किया जाता है। ब्लैक बजट आजाद भारत के इतिहास में अभी तक सिर्फ एक बार ही पेश किया गया है। आम बजट के अलावा निष्पादन बजट शून्य-आधारित बजट और अंतरिम बजट भी बजट के प्रकार हैं।

नवजोत सिद्धू की जेल से बाहर आने से पहले कई कांग्रेसी खौफजदा

– रिहाई के बाद बड़ा पद दे सकती है पार्टी

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू अभी चाहे पटियाला जेल से बाहर नहीं आ पाए हैं मगर उनकी आमद से पहले ही प्रदेश के कई पार्टी नेता खौफजदा नजर आने लगे हैं। सिद्धू समर्थक अपने नेता की रिहाई 26 जनवरी को तय मान रहे थे मगर इस पर अंतिम समय तक मुहर नहीं लग पाई। सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू न केवल भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ कदमताल कर चुकी हैं बल्कि दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी के साथ उनकी मुलाकात की फोटो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई हैं। इसके बाद यह अटकलें तेज होने लगी थीं कि सिद्धू की जेल यात्रा पूरी होते ही पार्टी उन्हें मुख्यधारा में लौटने के लिए कोई बड़ा ओहदा दे सकती है। मगर यह पंजाब कांग्रेस में काबिज मौजूदा टीम में किसी को रास नहीं आ रहा। पार्टी हलकों में चर्चा के दौरान गत चुनाव में हार के लिए सिद्धू को ही जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। दूसरी ओर ऐसे नेताओं का गुट सिद्धू के हक में उतर रहा है जो पिछले कुछ समय से प्रदेश कांग्रेस में हाशिए पर चल रहे हैं। यह धड़ा नवजोत सिद्धू के जरिए अपनी राजनीति चमकाने के मूड में है। अब सिद्धू की रिहाई और उसके बाद उनका कद बढ़ाने की संभावना से प्रदेश कांग्रेस में बड़ी हलचल होने के आसार बढ़ गए हैं।

जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर समन्वित नीतियों की जरूरत : तोमर

अगरतला (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विश्व समुदाय को उन जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देना चाहिए जो परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं होते हैं। तोमर यहां दो दिन के जी20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा कार्यसमूह की बैठक को संबोधित कर रहे थे। तोमर ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ बैठक का उद्घाटन किया।

तोमर ने कहा कि यह देश के नागरिकों के लिए गर्व का क्षण है कि भारत इस साल जी20 बैठक की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों से अच्छी तरह वाकिफ है। तोमर ने कहा, ''दुनिया आज कई जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है, जो परस्पर गहराई से जुड़ी हुई हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं हैं। जिन चुनौतियों का सामना किया जा रहा है वे अपनी प्रकृति में वैश्विक हैं और उसके लिए वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। इसलिए विश्व समुदाय को आज वैश्विक रूप से समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देने की जरूरत है।

मंत्री ने आगे जोर देकर कहा कि बहुपक्षवाद में नए सिरे से विश्वास बढ़ाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र और बहुपक्षवाद के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हमारा देश न केवल बहुआयामी विकास बल्कि सार्वभौमिक रूप से मान्य अपनी क्षमता दिखाने के लिए भी तैयार है।'' तोमर ने कहा कि हाल ही में हुई विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भारत को एक नाजुक दौर से गुजर रही दुनिया में 'एक उज्ज्वल स्थान' के रूप में वर्णित किया गया था और जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और कोविड के बाद के विकास पथ पर लौटने की सभी ने सराहना की थी।

उन्होंने कहा कि भारत को जो जिम्मेदारी दी गई है उसको पूरा करने के लिए हम तैयार है। उन्होंने कहा, ''हमें अपने सफल विकास मॉडल के खाके को साझा करने में खुशी होगी और हम सभी से सीखने के लिए भी तैयार हैं।'' भारत ने एक दिसंबर, 2022 को एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। जी-20 या 20 देशों का समूह, दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है।

सबसे कमजोर और कम आय वाले विकासशील देशों को सहायता प्रदान करने में हाल के वर्षों में जी20 के योगदान के बारे में तोमर ने कहा कि ऋण की बढ़ती असुरक्षा को दूर करने के लिए उठाए गए कदम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। सोमवार को यहां शुरू हुई दो दिन की जी20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा कार्यसमूह की बैठक में प्रतिभागी वैश्विक वित्तीय ढांचे की स्थिरता और सामंजस्य बढ़ाने के तरीकों और 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सोमवार देर रात जान से मारने की धमकी मिली। आरोपी ने सोमवार की रात 12.05 बजे पीसीआर कॉल कर अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी दी। कॉल के बाद दिल्ली पुलिस हरकत में आई और उसकी शिनाख्त की। उसे कुछ ही समय में दबोच लिया गया।

पुलिस ने मंगलवार को कहा कि 38 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ने कथित तौर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस को कथित तौर पर 12.05 बजे के आसपास धमकी के बारे में एक फोन आया। पुलिस ने कहा कि व्यक्ति को मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण गिरफ्तार नहीं किया गया है। समाचार एजेंसी ने जानकारी दी है कि पुलिस के मुताबिक, फोन करने वाला 38 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति था। आरोपी का इलाज दिल्ली के गुलाबी बाग में भी चल रहा है, जिसके चलते पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया।

अबू धाबी से मुंबई आ रही विस्तारा की फ्लाइट में बवाल, इटली की महिला ने उतारे कपड़े, केबिन क्रू से की मारपीट

मुंबई (एजेंसी)। विमानों में बवाल होने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। एयर इंडिया की फ्लाइट में नशे की हालत में एक व्यक्ति ने अक बूढ़ी महिला के उपर पेशाब किया था, जिसके बाद उस शख्स पर कठोर कार्यवाही की गयी। अब दिन -ब-दिन लगातार विमानों में लोगों द्वारा कुछ ऐसी हरकतें की जा रही हैं जिसके बाद एयरलाइंस सुर्खियों में आ रही हैं। पुलिस ने सोमवार को हवा में हंगामा करने के लिए अबू धाबी से मुंबई जाने वाली विस्तारा फ्लाइट में एक इतालवी महिला को पकड़ा है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि महिला ने कथित तौर पर इकोनॉमी टिकट के बावजूद बिजनेस क्लास में बैठने पर जोर दिया, केबिन क्रू के साथ मारपीट की, कुछ कपड़े उतार दिए और आंशिक रूप से नग्न अवस्था में कोरिडोर में ऊपर-नीचे भागने लगी।

इटली की महिला पाओला पेरुशियो को सहार पुलिस ने उसके हिंसक और अनियंत्रित व्यवहार के लिए पकड़ा गया था। पुलिस ने इतालवी महिला को नोटिस थमा दिया है। विस्तारा के एक प्रवक्ता ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार संबंधित अधिकारियों को घटना की सूचना दी गई थी। प्रवक्ता ने कहा, 'विस्तारा अपने ग्राहकों और कर्मचारियों की सुरक्षा, सुरक्षा और सम्मान को खतरे में डालने वाले अनियंत्रित व्यवहार के खिलाफ अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति में दृढ़ है।'

एयरलाइन के अनुसार, पायलट ने अन्य ग्राहकों को उनकी सुरक्षा और सुरक्षा के बारे में आश्वस्त करने के लिए नियमित घोषणाएं कीं, और सुरक्षा एजेंसियों को आगमन पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया। बयान में विस्तारा ने कहा, 'हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि 30 जनवरी, 2023 को अबू धाबी से मुंबई जाने वाली विस्तारा की यूके 256 फ्लाइट में एक अनियंत्रित यात्री था। निरंतर अनियंत्रित आचरण और हिंसक व्यवहार को देखते हुए कप्तान ने एक चेतावनी कार्ड जारी किया। और ग्राहक को नियंत्रित करने का निर्णय लिया।'

भारत जोड़ो यात्रा के समापन के बाद 'तपस्वी' राहुल गांधी ने लिया माता खीर भवानी का आशीर्वाद

जम्मू (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के समापन के एक दिन बाद अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल जिले में मंगलवार को प्रसिद्ध खीर भवानी मंदिर में दर्शन किए। अधिकारियों ने बताया कि राहुल-प्रियंका श्रीनगर से 28 किलोमीटर दूर मध्य कश्मीर में तुल्लामुला इलाके में स्थित मंदिर पहुंचे। दोनों भाई-बहन ने माता खीर भवानी के नाम से प्रसिद्ध राज्ञा देवी के मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के अन्य नेता भी थे। हम आपको बता दें कि 2021 में भी अपने कश्मीर दौरे के दौरान राहुल गांधी ने खीर भवानी मंदिर में पूजा अर्चना की थी।

खीर भवानी मंदिर की कश्मीर पंडितों के बीच काफी मान्यता है। मध्य कश्मीर में गांदेरबल जिले के तुल्लामुला गांव में चिनार के पेड़ों के बीच स्थित इस मंदिर में लगने वाले वार्षिक खीर भवानी मेले के दौरान कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र से कश्मीरी पंडितों के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मेले के दौरान श्रद्धालु नंगे पांव गुलाब की पंखुड़ियां लेकर मंदिर पहुंचते हैं तथा उन्हें राज्ञा देवी को चढ़ाते हैं। मंदिर परिसर में सदैव मंत्रोच्चारण चलता रहता है। श्रद्धालु यहां दूध और खीर भी चढ़ाते हैं। इस मंदिर से जुड़ी एक विशेष बात यह है कि यह कश्मीर के विभिन्न समुदायों के बीच सदियों पुरानी उदार संस्कृति और भाईचारे का भी प्रतीक है। यहाँ लगने वाला मेला भी सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है क्योंकि खीर भवानी मंदिर के इलाके में भक्तों के लिए फूलों और अन्य प्रसाद के स्टालों की स्थापना सहित अन्य सभी व्यवस्था मुसलमान ही करते हैं।

इस मंदिर के बारे में यह भी मान्यता है कि मंदिर के नीचे मौजूद कुंड के पानी का रंग घाटी में मौजूदा स्थिति का संकेत देता है। कुंड के पानी के अधिकतर रंग का कोई विशेष महत्व नहीं होता है लेकिन पानी का रंग काला या गहरा हो जाना कश्मीर के लिए बुरे समय का संकेत माना जाता है। कश्मीर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक खीर भवानी मंदिर मां दुर्गा को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण एक बहती हुई धारा पर किया गया है। इस मंदिर के चारों ओर चिनार के पेड़ और नदियों की धाराएं हैं जो इस जगह की सुंदरता पर चार चांद लगाती हैं। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 1912 में महाराजा प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया तथा बाद में महाराजा हरी सिंह ने इस मंदिर का विस्तार और सौंदर्यीकरण करवाया। खीर भवानी मंदिर से जुड़ी एक प्रमुख किवंदती यह है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास के समय इस मंदिर में पूजा की थी। वनवास की अवधि समाप्त होने के बाद भगवान श्रीराम ने हनुमानजी द्वारा यहां माता की मूर्ति स्थापित करवाई थी।

भारत सरकार का फंड नहीं है पीएम केयर, दिल्ली हाई कोर्ट को पीएमओ का जवाब- इसे 'पब्लिक अथॉरिटी' का लेबल नहीं दिया जा सकता

लखनऊ। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि पीएम केयर फंड भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत ÷राज्य÷ नहीं है और सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत ÷सार्वजनिक प्राधिकरण÷ के रूप में गठित नहीं है। पीएमओ के अवर सचिव द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि पीएम केयर्स फंड को एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में स्थापित किया गया है और यह भारत के संविधान या संसद या किसी राज्य विधानमंडल द्वारा या उसके तहत नहीं बनाया गया है।

यह किसी भी सरकार से वित्त पोषित नहीं है और ट्रस्टी के तौर पर निजी व्यक्ति ही इसका संचालन करते हैं। हलफनामे में कहा गया है कि ट्रस्ट के कामकाज में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार या किसी भी राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। पीएमओ ने आगे कहा है कि पीएम केयर्स फंड केवल व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा स्वैच्छिक दान स्वीकार करता है और यह कि सरकार के बजटीय स्रोतों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की बैलेंस शीट से आने वाले योगदान को स्वीकार नहीं किया जाता है। पीएम केयर्स फंड/ट्रस्ट में किए गए योगदान को आयकर अधिनियम, 1961 के तहत छूट दी गई है, लेकिन यह अपने आप में इस निष्कर्ष को उचित नहीं ठहराएगा कि यह एक ÷सार्वजनिक प्राधिकरण÷ है। इसने आगे कहा है कि फंड को सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं कहा जा सकता है। जिस कारण से इसे बनाया गया था वह ÷विशुद्ध रूप से धर्मार्थ÷ है और यह कि न तो धन का उपयोग किसी सरकारी परियोजना के लिए किया जाता है और न ही ट्रस्ट किसी भी सरकारी नीतियों द्वारा शासित होता है।

मस्जिद में आत्मघाती हमले में 83 पर पहुंचा मौत का आंकड़ा

– अस्पतालों में खून की कमी घायल परेशान

पेशावर ।पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले के बाद शहर में मेडिकल आपात स्थिति की घोषणा कर दी गई। 150 से ज्यादा लोगों के घायल होने की वजह से शहर के अस्पतालों में खून की भारी कमी हो गई है।अस्पताल प्रशासन ने लोगों से रक्तदान करने की अपील की है।इस हमले में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 83 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा के राज्यपाल हाजी गुलाम अली ने भी रक्तदान करने की अपील की है। एक अधिकारी ने बताय कि विस्फोट बेहद शक्तिशाली था। इससे मस्जिद का एक हिस्सा ढह गया। बड़ी संख्या में लोगों की मौत मलबे के नीचे दबने से हुई। पुलिस ने माना कि सुरक्षा में चूक हुई कैपिटल सिटी पुलिस अफसर मुहम्मद इजाज खान ने कहा कि धमाके के समय इलाके में 300 से 400 पुलिस अधिकारी मौजूद थे। यह स्पष्ट है कि सुरक्षा चूक हुई है। हमलावर पुलिस लाइन्स के अंदर चार स्तरीय सुरक्षा वाली मस्जिद में घुसा। पिछले साल मार्च में शहर के कोचा रिसालदार इलाके में एक शिया मस्जिद के अंदर इसी तरह के हमले में 63 लोग मारे गए थे। हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है। टीटीपी के मृत कमांडर उमर खालिद के परिजन ने दावा किया कि यह हमला अफगानिस्तान में पिछले साल अगस्त में मार दिए गए। उसके भाई की मौत का बदला है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने घटना पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि पेशावर में हमले की मैं निंदा करता हूं। जिन लोगों की जान गई है उनके परिवारों के प्रति मेरे गहरी संवेदना है। पेशावर के पुलिस अधीक्षक (जांच) शाहजाद कौकब ने मीडिया को बताया कि जब नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में वह दाखिल ही हुए थे तभी यह धमाका हुआ लेकिन सौभाग्य से उनकी जान बच गयी। उनका कार्यालय मस्जिद के समीप ही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट से मस्जिद का एक हिस्सा ढह गया और माना जाता है कि कई लोग उसके मलबे के नीचे दबे हैं। उनके अनुसार बम हमलावर पुलिस लाइन्स के अंदर चार स्तरीय सुरक्षा वाली मस्जिद में घुस गया।

यूक्रेन को बड़ा झटका, एफ-16 फाइटर देने से बाइडेन का इनकार

वाशिंगटन। रूस से जंग के बीच यूक्रेन को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका ने एफ-16 फाइटर प्लेन देने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने साफ कर दिया है कि कीव को एफ-16 की सप्लाई नहीं होगी। इसे यूक्रेन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू जेट नहीं भेजेगा। व्हाइट हाउस के बाहर एक रिपोर्टर द्वारा पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका उन युद्धक विमानों को स्थानांतरित करेगा जिन्हें प्राप्त करने के लिए कीव कड़ी मेहनत कर रहा है, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जवाब दिया- नहीं। बता दें कि यूक्रेन लंबे समय से एफ-16 फाइटर प्लेन की मांग कर रहा था। लेकिन अमेरिका की ओर से सफाई आ गई है कि वो फिलहाल तो इसे यूक्रेन को देने के बारे में नहीं सोच रहा है। बाइडन ने लगातार कहा है कि विमान नहीं मिल सकते, भले ही उन्होंने अन्य क्षेत्रों में सहायता दी है। एक अमेरिकी अधिकारी से जब बाइडेन की टिप्पणी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि एफ-16 के बारे में कोई गंभीर, उच्च स्तरीय चर्चा नहीं हुई है। दूसरे शब्दों में, ऐसा नहीं लगता कि बाइडेन की घोषणा एक आंतरिक नीति समीक्षा का परिणाम है और इसके बजाय अंतिम निर्णय वर्तमान रुख है।

फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया यूक्रेन को तोप के गोलों की आपूर्ति को तैयार

पेरिस ।फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया ने 155 मिलीमीटर तोप के हजारों गोले संयुक्त रूप से बनाने और आगामी हफ्तों से उन्हें यूक्रेन भेजने की योजना की घोषणा की। कई लाख डॉलर की योजना यूक्रेन के लिए दोनों देशों के समर्थन की नवीनतम पेशकश है। यह घोषणा उस समय में की गई है जब रूसी युद्ध का सामना कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने पश्चिमी सहयोगियों से भारी हथियार और दीर्घकालिक आपूर्ति का अनुरोध किया है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस और फ्रांसीसी रक्षामंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू की संयुक्त घोषणा का उद्देश्य यह संकेत देना भी है कि दोनों देशों ने पनडुब्बियों संबंधी विवाद को दूर कर लिया है। रक्षा मंत्रियों ने बताया कि यूक्रेन के लिए तोप के गोलों का उत्पादन फ्रांसीसी निर्माता नेक्सटर ऑस्ट्रेलियाई निर्माताओं के सहयोग से करेगा।

विपक्ष के नेता फवाद चौधरी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

इस्लामाबाद । इस्लामाबाद की अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी को एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ हिंसा भड़काने के मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पीटीआई पार्टी के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी 52 साल के चौधरी के खिलाफ पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) के शीर्ष अधिकारियों को धमकी देने का कोहसर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था इसके बाद उन्हें पिछले हफ्ते गिरफ्तार कर लिया गया था। जांच के लिए पुलिस को दी गई दो दिवसीय हिरासत की दूसरी अवधि समाप्त होने के बाद चौधरी को न्यायिक मजिस्ट्रेट वकास अहमद राजा के समक्ष पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने तीसरी बार उनकी पुलिस हिरासत की अवधि बढ़ाने की याचिका खारिज किया। चौधरी ईसीपी के सदस्यों को सार्वजनिक रूप से ''धमकाने'' के मामले में राजद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं। चौधरी के वकील फैसल चौधरी ने सुनवाई के बाद पुलिस हिरासत नहीं बढ़ाने के लिए अदालत को धन्यवाद दिया लेकिन मांग की कि उनके मुवक्किल के साथ कानून के अनुसार व्यवहार होना चाहिए। पीटीआई नेताओं ने उनकी गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित बताकर उनकी रिहाई की मांग की।

टेक्सास में हुई गोलीबारी में एक छात्र की मौत, चार अन्य घायल

टेक्सास। टेक्सास के ऑस्टिन में एक 'हुक्का लाउंज' में सप्ताहांत में हुई गोलीबारी में 'हाई स्कूल' के एक छात्र की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ऑस्टिन पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 17 वर्षीय ब्रेडन बॉलीर्ड की शनिवार रात हुई गोलीबारी में मौत हो गई। चार अन्य लोग गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि उन्होंने गोलीबारी के मामले में एक संदिग्ध की पहचान की है। वह गोलीबारी के बाद मौके से फरार हो गया था। इस बीच, एक अन्य घटना में मध्य फ्लोरिडा के पास सोमवार दोपहर हुई गोलीबारी में 10 लोग घायल हो गए। लेकलैंड के पुलिस प्रमुख सैम टेलर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पीड़ितों में से दो गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि अन्य आठ की जान को कोई खतरा नहीं है। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है।

नासा का दावा : अब चांद पर चीन की गिद्ध दृष्टि

–अंतरिक्ष में चलाएगा सैन्य व तकनीकी कार्यक्रम

बीजिंग ।दुनिया पर राज करने का सपना देखने वाले चीन की गिद्ध दृष्टि अब चांद पर भी है। नासा का दावा है कि अन्य देशों के इलाकों पर अपनी दावेदारी जताने वाला चीन भविष्य में वह चंद्रमा पर भी कब्जा कर सकता है। चीन की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को लेकर नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने आशंका जताई है कि चीन चंद्रमा के संसाधन-समृद्ध क्षेत्रों पर अपना दावा कर सकता है। इंडो-पैसिफिक सेंटर फार स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन की रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के जरिए खुद को सैन्य आर्थिक और तकनीकी शक्ति में बदलने का प्रयास कर रहा है। नेल्सन ने एक जनवरी को पोलिटिको के साथ साक्षात्कार में कहा कि उन्हें चिंता है कि चीन चंद्रमा पर संसाधन-समृद्ध क्षेत्रों में विज्ञानी अनुसंधान केंद्रों का निर्माण करेगा और फिर उस पर संप्रभुता का दावा करेगा। इंडो-पैसिफिक सेंटर फार स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन ने बताया कि बीजिंग चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास स्वायत्त चंद्र अनुसंधान स्टेशन बनाने की भी योजना बना रहा है जिसके 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। चीन आर्थिक लाभ और रणनीतिक कारणों से अंतरिक्ष युद्ध जीतने की कोशिश कर रहा है। इंडो-पैसिफिक सेंटर फार स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन के अनुसार चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी कारपोरेशन (सीएएससी) के अध्यक्ष वू यानशेंग ने 20 दिसंबर को चीन के अंतरिक्ष विकास लक्ष्यों को रेखांकित किया था।

काठमांडू में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल शहीद दिवस पर आयोजित एक समारोह में पुष्प अर्पित करने पहुंचे।

देश को अराजकता व हिंसा की ओर ढकेलना चाहते हैं पूर्व पीए इमरान खान : आसिफ

सियालकोट ।पाकिस्तान इन दिनों भयंकर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने पूर्व पीएम और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने कामों और बयानों से देश को खून खराबे और अराजकता के दौर में ले जाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा आज के दौर की अधिकांश समस्याएं इमरान खान की अदूरदर्शी नीतियों की वजह से पैदा हुई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री को मदद के लिए सेना को बुलाना बंद करना चाहिए और अकेले राजनीति करनी चाहिए। अब उनकी कोई मदद नहीं करने वाला। आसिफ ने यह बयान पाकिस्तान के सियालकोट में अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने कहा पीटीआई के पास असेंबली का मंच था जिसे उन्होंने खारिज कर दिया और अब वे संस्थानों से कह रहे हैं कि वे सरकार के साथ बातचीत के लिए उन्हें मदद प्रदान करें। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने कहा इमारन खान ने पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के खिलाफ निराधार आरोप लगाए हैं। इमरान खान ने कहा कि जरदारी उन्हें मरवाना चाहते थे। इससे पाकिस्तान की राजनीति में खून खराबे का डर पैदा हो गया है और उस वक्त अगर कुछ होता है तो इसके लिए खान जिम्मेदार होंगे।

शहबाज सरकार ने की यूएई को पाकिस्तान की 5 बड़ी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने की पेशकश

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के दोस्त मुल्कों सऊदी अरब संयुक्त अरब अमीरात और चीन ने स्पष्ट कर दिया है कि वे फिलहाल शहबाज सरकार को और अधिक सहायता देने में सक्षम नहीं हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले दिनों यूएई का दौरा किया था लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। यूएई के राष्ट्रपति पाकिस्तान के दौरे पर आने वाले थे लेकिन उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया।

शहबाज सरकार यूएई को पाकिस्तान की 5 बड़ी सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने की पेशकश की है। पाकिस्तान आईएमएफ से भी लोन के लिए बातचीत कर रहा है। शहबाज सरकार ने पाकिस्तान की सरकारी तेल और गैस कंपनी पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइन पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कार्पोरेशन में हिस्सेदारी बेचने के लिए यूएई को प्रस्ताव दिया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक सरकार ने कथित रूप से यूएई की दो कंपनियों को इन पाकिस्तानी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव दिया है। इससे पहले सऊदी अरब और यूएई ने साफ कह दिया था कि

वह अब फ्री में पाकिस्तान को अरबों डॉलर की मदद नहीं देगा। इसके बाद अब पाकिस्तान सरकार यूएई को अपनी सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज शरीफ की यूएई की यात्रा के दौरान यह प्रस्ताव दिया गया। पाकिस्तान ने यूएई से मांग की थी कि पाकिस्तानी सामानों को यूएई के बाजार में और ज्यादा पहुंच दी जाए। शहबाज शरीफ ने यूएई की दो बड़ी कंपनियों के प्रमुखों से मुलाकात की थी और उन्हें सोलर पॉवर एयरपोर्ट प्रबंधन आदि में निवेश करने के लिए प्रस्ताव दिया था। यूएई की इन दिग्गज कंपनियों के पास 300 अरब डॉलर का निवेश पोर्टफोलियो है।

यूएई की इन कंपनियों ने पाकिस्तान की फायदे में चल रही कंपनियों में निवेश की इच्छा जताई है।

शहबाज शरीफ चाहते थे कि यूएई के राष्ट्रपति से पाकिस्तान आने पर और ज्यादा लोन के बारे में बात करेंगे लेकिन शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान ने ऐन मौके पर अपने दौरे को रद्द कर दिया। इससे शहबाज सरकार को भारी बेइज्जती का सामना करना पड़ा है। यूएई पहले ही पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर का नया लोन देने का ऐलान कर चुका है। साथ ही 2 अरब डॉलर के पुराने लोन को वापस नहीं मांगा है।

पाकिस्तान अपनी राजधानी इस्लामाबाद के एयरपोर्ट का मैनेजमेंट यूएई की कंपनी को देना चाहता है। पाकिस्तान यह भी चाहता है कि यूएई के साथ उसका व्यापार 10.6 अरब डॉलर तक पहुंच जाए। पाकिस्तान को कहीं भी लोन नहीं मिलने के बाद अब उसे फिर से आईएमएफ की शरण में जाना पड़ा है जिसने पाकिस्तान सरकार को कई सौ अरब डॉलर के नए टैक्स लगाने के लिए कहा है। यही वजह है कि पेट्रोल की कीमतों में भारी इजाफा किया गया है।

अमेरिकी एयर फोर्स जनरल ने की चीन-अमेरिका जंग की भविष्यवाणी !

–माइक ने कहा- 2025 में हो सकता है युद्ध

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी के एक एयर फोर्स जनरल माइक ने चीन के साथ युद्ध होने की भविष्यवाणी की है। माइक मिनहान ने शुक्रवार को वायु सेना के अधिकारियों को एक ज्ञापन भेजा जिसमें चीन के साथ अगले दो वर्षों में युद्ध होने की भविष्यवाणी की गई है। माइक मिनिहान ने अधिकारियों को जो ज्ञापन भेजा है उसमें उन्होंने कहा है कि अमेरिका 2025 में चीन के साथ युद्ध में होगा। इसी के साथ उन्होंने वायु सेना के कमांडरों को तैयारियां करने की सलाह दी है। अमेरिकी मामलों को कवर करने वाली मुख्यधारा की अंग्रेजी मीडिया के कई माध्यमों ने माइक मिनिहान के इस ज्ञापन की खबर प्रकाशित की है। इस मेमो में अमेरिकी वायु सेना के एयर मोबिलिटी कमांड के प्रमुख जनरल माइक मिन्हान ने कहा कि मुझे आशा है कि मैं गलत हूं लेकिन मेरा मन कहता है कि अमेरिका और चीन में 2025 में लड़ाई हो सकती है। मिन्हान ने मेमो में कहा कि क्योंकि ताइवान और अमेरिका दोनों में 2024 में राष्ट्रपति चुनाव होंगे इसलिए अमेरिका का ध्यान भटकेगा और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पास ताइवान पर कब्जा करने का अवसर होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने लक्ष्यों को निर्धारित करना होगा जिसमें एक मजबूत तैयार एकीकृत और फुर्तीली ज्वाइंट फोर्स टीम भी शामिल है। ये सैनिक ताइवान के अंदर किसी भी हमले को रोकने और दुश्मनों पर जीत हासिल करने के लिए तैयार रहेंगे। इस हस्ताक्षरित मेमो एयर मोबिलिटी कमांड के सभी एयर विंग कमांडरों और वायु सेना के अन्य ऑपरेशनल कमांडरों को संबोधित कर भेजा गया है।

ब्रिटेन में स्वास्थ्य कर्मियों की डेढ़ माह से हड़ताल

–पूरे देशवासियों का ईलाज कर रहे भारतीय मूल के डाक्टर

लंदन (एजेंसी) ब्रिटेन में इन दिनों भारतीय डाक्टर मसीहा बने हुए हैं। यहां स्वास्थ्य कर्मियों की डेढ़ महीने से चल रही हड़ताल के चलते पूरे देशवासियों का ईलाज भारतीय डाक्टरों के हवाले है। सरकारी स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) कर्मचारी वेतन बढ़ाने के लिए हड़ताल पर हैं। एनएचएस में 1.15 लाख भारतीय डॉक्टर हैं जिनमें से ज्यादातर हड़ताल में शामिल नहीं हैं। इससे काम का बोझ इन्हीं डॉक्टरों और नर्सों पर पड़ रहा है। करार में औसतन हफ्ते में 40 घंटे की शिफ्ट है। खास बात यह है कि ब्रिटेन के गांवों छोटे कस्बों पिछड़े इलाकों में ब्रिटिश डॉक्टर काम नहीं करते। केवल भारतीय डॉक्टर ही वहां जाते हैं। श्रमिकों खान मजदूरों की बस्तियों में भारतीय डॉक्टर ही जाकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वेल्स की रोंडा वैली कमजोर वर्ग की बस्ती है जहां 73 प्रतिशत डॉक्टर भारतीय हैं।

ब्रिटेन में 70 लाख मरीज डॉक्टर से समय मिलने के इंतजार में हैं। सामान्य सर्जरी के इंतजार का समय बढ़ गया है। अस्पताल में बेड के लिए इंतजार 2011 की तुलना में 2019 में आठ गुना बढ़ गया। इसी अवधि में इलेक्टिव केयर के लिए 18 हफ्ते से ज्यादा का इंतजार करने वाले तीन गुना बढ़ गए। हड़ताल के कारण भारतीय डाक्टरों को रोज 12 घंटे या ज्यादा ड्यूटी करनी पड़ रही है। कई भारतीय डॉक्टरों का कहना है कि काम के दबाव से उनकी मानसिक और भावनात्मक सेहत पर बुरा असर पड़ा है। एनएचएस की भारतीय डॉक्टर अदिति सेंगर ने भास्कर से कहा कि वे शायद ही कभी 12 घंटे से पहले अस्पताल छोड़ पाती हैं। परिवार के लिए वे समय ही नहीं दे पाती हैं।

बर्न आउट के कारण डॉक्टर नर्स सहित अन्य अमला एनएचएस छोड़ रहा है। सात साल में एनएचएस छोड़ने वाले तीन गुना बढ़ गए हैं। इसके अलावा डॉक्टर भेदभाव का भी शिकार हैं। ऐसे माहौल से परेशान होकर पिछले साल बर्मिंघम क्वीन एलिजाबेथ अस्पताल की भारतीय डॉक्टर वैष्णवी कुमार (35) ने खुदकुशी की। उनके पिता ने हाल में सुसाइड नोट जारी किया जिसमें वैष्णवी ने अस्पताल को दोषी ठहराते हुए लिखा है कि यहां के माहौल ने मुझे तोड़ दिया है। मेरी मृत्यु होने पर इस अस्पताल में न लाया जाए। अपनी मां से माफी भी मांगी है। एनएचएस में कुल 1.15 लाख भारतीय डॉक्टर हैं।

भारत में मेडिकल की बुनियादी शिक्षा हासिल 60 हजार डॉक्टर और 40 हजार नर्से हैं। इतने ही ब्रिटेन में जन्मे भारतीय डॉक्टर हैं। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन के जेएस बामरा कहते हैं कि इनकी दम पर ही एनएचएस है। पड़ताल में सामने आया है कि भारत में प्रशिक्षित डॉक्टर भेदभाव का शिकार हैं। जनरल मेडिकल काउंसिल ने एक स्टडी में पाया कि भारतीय डॉक्टर के कामकाज के आंकलन की पांच गुना अधिक संभावना होती है। किसी भारतीय डॉक्टर की शिकायत पर जांच की संभावना बढ़ जाती है।

सुनक ने राजनीति में ईमानदारी बहाल करने का संकल्प लिया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कैबिनेट के एक मंत्री को कर संबंधित मामले को लेकर बर्खास्त करने के अपने कदम का बचाव करते हुए राजनीति में ईमानदारी को बहाल करने का सोमवार को संकल्प लिया। कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष नदीम जहावी को मंत्रियों से संबंधित आचार संहिता के गंभीर उल्लंघन का दोषी पाए पर बर्खास्त कर दिया गया था। वह कैबिनेट में बिना विभाग के मंत्री थे। यह बात सामने आई थी कि उन्होंने देश के कर विभाग को जुर्माना भरा है और इसके बाद उनपर कार्रवाई नहीं करने को लेकर भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता

सुनक की विपक्ष आलोचना कर रहा था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के लिए अपनी सरकार की नई आपातकालीन देखभाल योजना के शुरुआत के दौरान, सुनक ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे की जांच करने के लिए स्वतंत्र नैतिक सलाहकार से कहकर सही किया। उन्होंने उत्तर पूर्वी इंग्लैंड में काउंटी डरहम की यात्रा के दौरान कहा, 'मैंने जो किया है वह एक प्रक्रिया का पालन है, जो सही प्रक्रिया है।' सुनक ने कहा, ' ईमानदारी मेरे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है - आप सभी लोग यह देखना चाहते हैं कि सरकार ठीक से चले तो यह ईमानदारी के साथ चलती है और जवाबदेही होती है जब लोग उस तरह से व्यवहार नहीं करते हैं जैसा उन्हें करना चाहिए या अगर कुछ सही नहीं होता है और हमने यही किया है।' उन्होंने राजनीति में ईमानदारी को वापस लाने के लिए जरूरी कदम उठाने का संकल्प लिया।

हिबतुल्लाह अखुंदजादा को सुप्रीम कमांडर पद से हटाएगा तालिबान

काबुल (एजेंसी)। तालिबान सुप्रीम कमांडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा को जल्द ही उनके पद से हटा सकता है। अखुंदजादा को लेकर तालिबान के शीर्ष नेतृत्व में जबरदस्त खींचतान मची हुई है। दरअसल तालिबान महिला शिक्षा को लेकर पूरी दुनिया में घिरा हुआ है। तालिबान का एक धड़ा चाहता है कि अफगान महिलाओं को शिक्षा की अनुमति दी जाए लेकिन सुप्रीम कमांडर अखुंदजादा इस्लामिक नियम और शरिया कानून का हवाला देकर बार-बार महिलाओं पर प्रतिबंध का समर्थन कर रहे हैं। ऐसे में तालिबान सरकार के टूटने का खतरा पैदा हो गया है। अगर तालिबान में फूट पड़ती है तो इसका सीधा असर अफगानिस्तान की मौजूदा कार्यवाहक सरकार पर पड़ेगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर तालिबान के अमीर-उल-मोमिनीन पद पर मौजूद अखुंदजादा की जगह ले सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि हिबतुल्लह अखुंदजादा को पद से हटाने की प्रक्रिया अभी प्रारंभिक चरण में है। तालिबान ने पिछले साल दिसंबर में विश्वविद्यालयों में महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया था तभी से लेकर तालिबान में अंदरूनी तौर पर खींचतान मची हुई है। कई वरिष्ठ तालिबान नेताओं के परिवार की लड़कियां पाकिस्तान समेत कई खाड़ी देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। तालिबान के अधिकारियों ने अखुंदजादा के उत्तराधिकारी के रूप में जिन नामों पर विचार किया उसमें मुल्ला अब्दुल गनी बरादर मुल्ला मोहम्मद याकूब और सिराजुद्दीन हक्कानी प्रमुख हैं। तालिबान सबसे पहले हक्कानी को अमीर-उल-मोमिनीन बनाना चाहता था लेकिन वह काबुल छोड़ने को तैयार नहीं है।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी और रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध को लेकर सहमत नहीं हैं। वह चाहते हैं कि इस नियम को बदला जाए क्योंकि विरोध बढ़ने पर तालिबान सरकार के पलटने का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने इसे लेकर सर्वोच्च नेता हिबतुल्लह अखुंदजादा से बातचीत भी की लेकिन इसका कोई परिणाम नहीं निकला। अखुंदजादा इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वे अंतरराष्ट्रीय दबाव में प्रतिबंध को वापस नहीं लेंगे। वहीं हक्कानी और याकूब का कहना है कि अफगानिस्तान को अभी अंतरराष्ट्रीय समर्थन की जरूरत है। ऐसे में तालिबान सरकार को महिलाओं की शिक्षा पर लगे प्रतिबंध को हटाना

चाहिए। हक्कानी और याकूब अतीत को भुलाकर तालिबान का उदारवादी चेहरा दुनिया के सामने पेश करना चाहते हैं। ऐसे में वे सरकार की तरफ से विदेशी शक्तियों के साथ तालमेल का प्रयास कर रहे हैं। हाल में ही तालिबान ने अफगानिस्तान में गैर सरकारी संगठनों में काम करने वाली महिलाओं पर प्रतिबंध लगाया है। तालिबान का तर्क है कि ये महिलाएं कार्यस्थल पर इस्लामी कानूनों का पालन नहीं कर रही हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों खासकर महिला आबादी को मिलने वाली सहायता लगभग बंद हो गई है।

आईसीईटी से भारत के साथ अमेरिका की सामरिक प्रौद्योगिकी साझेदारी को गति मिलेगी: सुलिवन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अपने भारतीय समकक्ष अजित डोभाल के साथ होने वाली 'इनीशिएटिव फॉर क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' (आईसीईटी) की पहली उच्च-स्तरीय बैठक से पहले कहा कि इस पहल से भारत के साथ अमेरिका की प्रौद्योगिकी साझेदारी और रणनीतिक अभिसरण तथा नीति संरेखण में तेजी आएगी। डोभाल और सुलिवन अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ व्हाइट हाउस में मंगलवार को बैठक करेंगे। डोभाल आईसीईटी के लिए वाशिंगटन पहुंच गए हैं। मई 2022 में तोक्यो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बैठक के बाद पहली बार एक संयुक्त बयान में आईसीईटी का उल्लेख किया गया था।

भारत और अमेरिका को उम्मीद है कि यह बैठक दोनों देशों के कॉरपोरेट क्षेत्रों के बीच एक विश्वसनीय भागीदार पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की नींव रखेगी, ताकि स्टार्टअप की संस्कृति से फल-फूल रही सार्वजनिक-निजी साझेदारी पर जोर देने वाले दोनों देश वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तानाशाही हुकूमतों के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें। सुलिवन ने सोमवार को यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में कहा,'' आईसीईटी प्रौद्योगिकी सहयोग से कहीं अधिक है, यह हमारे सामरिक अभिसरण व नीति संरेखण में तेजी लाने का एक मंच है।'' इस गोलमेज सम्मेलन में अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो और डोभाल ने भी शिरकत की। सुलिवन ने कहा कि अमेरिका और भारतीय सरकार ''प्राथमिकता की सूची'' बनाएगी, '' सबसे पहले दोनों पक्षों की बाधाओं को दूर करने के लिए, ताकि सभी की महत्वाकांक्षा को सक्षम बनाया जा सके।''

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, '' जीना रामोंडो, डोभाल और जेक सुलिवन ने यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन में उद्योगजगत के लोगों, शिक्षाविदों और विचारकों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। भारत-अमेरिका भरोसेमंद भागीदारी के

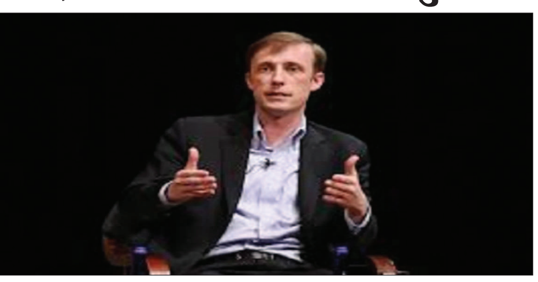

पारिस्थितिकी तंत्र पर विस्तृत चर्चा की।'' उन्होंने कहा कि वह डोभाल के साथ दोनों पक्षों की बाधाएं दूर करने के लिए काम करेंगे। वहीं डोभाल ने समयबद्ध तरीके से केंद्रित कदमों के माध्यम से इरादों और विचारों को कार्यों तथा विशिष्ट परिणाम में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। डोभाल और अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने प्रौद्योगिकी विकास तथा समावेश के लिए भारत की उल्लेखनीय क्षमता को रेखांकित किया।

संपादकीय

मोक्ष

एक घटना प्रसंग दिवंगत शासन श्री मुनि श्री पृथ्वीराज जी स्वामी (श्री डुंगरगढ़) से मैंने यह पूछा की मुनिवर हर आत्मा का अन्तिम लक्ष्य मोक्ष होता है तो मोक्ष में जगह कितनी होगी । मुनिवर ने तत्काल मेरे प्रश्न के भावों को भाँपते हुए कहा की अभी हम है वैसी 7 पृथ्वियाँ अगर हो तो भी मोक्ष नहीं भरेगा । मैंने उतर सुन मौन से आश्चर्य किया तो मुनिवर ने मैंने मेरे हाव - भाव को भाँपते हुए विस्तार से मोक्ष के बारे मुझे समझाया । यह मानव जीवन अति दुर्लभ है । जीवन की यथार्थता को हम समझे ।अभी पांचवें आरे से अगला भव मोक्ष तो नहीं है परन्तु आध्यात्मिकता की ओर बढते हुए हम सम्यक्त्व तो प्राप्त कर लें। उसी तरह जैसे सूई में धागा पिरोया हुआ हो तो सूई मिल जाएगी । ताकि जीने का अर्थ समझ आ जाए। ।पाप बंध सब काट लें मिले मोक्ष का धाम । भक्ति करता छूटे मारा प्राण प्रभु एवु मांगु छूँ रहे हृदय कमल माँ तारूँ ध्यान प्रभु एवु मांगु छूँ। हृदय आज भी पवित्रता की गवाही देता हैं कि जिसने भी राग-द्वेष रूपी सभी कामादिक, जीते सब जग जान लिया , सब जीवों को मोक्ष मार्ग का निस्पृह हो उपदेश दिया, बुद्ध, वीर जिन, हरि, हर ब्रह्मा या उसको स्वाधीन कहो भक्ति-भाव से प्रेरित हो यह चित्त उसी में लीन रहो। तर्क चला हम रोज रोज भगवद् भक्ति में ही क्यों लगे रहें ? मासिक या साप्ताहिक आराधना ही क्यों न करें ? हो सकता हैं तर्क सही हो पर जैसे एक माँ के सामने बच्चा अपनी बात रोज़ मनवाता हैं ज़िद करता हैं कुछ ऐसे भी भावों से हमें भक्ति करनी चाहिए यह नियमित एवं सही समय पर करना सार्थक हैं । क्या खोया- क्या पाया सब अपने बनाए कर्म के कारण है । अरे - न रुकी वक़्त की गर्दिश और न ज़माना बदला । पेड़ सूखा तो परिंदों ने ठिकाना बदला । अब दोष भगवान को क्यों ? हम ही है हमारे दोषी हैं । यह धरती तो वज्रदिल बन सब कुछ सहती है । एक माँ की तरह सरिता उतार चढ़ाव में भी अविरल बहती है । एक माँ की तरह और हम नादान बच्चे अपनी नादानी के कारण दु:ख के कगार तक पहुँच जाते है जहाँ सिर्फ़ और सिर्फ़ हताशा है निराशा है दोषारोपण हैं । समझे ज़राबहमें कुछ संभलने मौक़ा दिया हैं । भक्ति में रमे और बन सार्थक स्वर्ण कसौटी पर खरे उतरे, बीज-धूप- खाद-जल रूपी कार्य सिद्धि से सही दिशा में आगे बढ़े ।वरना- आखिर होगा तेरा जाना,कोई ना साथ निभाएगा ।तेरे कर्मों का फल बंदे,साथ तुम्हारे आएगा, चिंतन कर ले इन बातों का जन्म सफल हो जाएगा । मोक्ष मिल जायेगा ।किसी को दोष देने से बेहतर खुद सम्भले ।अपने जीवन की नींव हिलने से पहले ये गुनगुना ले मेरी भक्ति में कोई कमी तो नही फिर भी गाना ना आए तो में क्या करूँ ।कैसे शब्दों की सीमा में बान्धू भगवान आपको दिल ना रिझाए तो में क्या करूँ । भावों में शुद्ध लाकर मोक्ष में कैसे जाऊँ । हम सभी सामाजिक प्राणी हैं समाज का दायित्त्व निभाएं हम। जरूरत हो वहां सही से यथाशक्य विसर्जन कर पाएं हम। पर न नाम की भूख और न ही प्रतिफल की आशा हो। कोई भी कार्य करें नि: स्वार्थ भाव से सिर्फ मोक्ष और मोक्ष की अभिलाषा हो। बदले की भावना रखने से कर्मों की श्रृंखला आगे से आगे कितनी ज्यादा ब[illegible]ती जाती है ।लक्ष्य मोक्षप्राप्ति है उसकेलिए हमें विवेकपूर्ण शांति ,सद्भाव , अनावश्यक न बोलना ,प्रतिकिर्या न करना ,अपने संवेगों पर नियंत्रण करना और अपने को पुद्गलजगत से हटाकर करनें के साधनों से अपनी आत्मा को भावित करने की और अग्रसर हो । कम से कम भव कर मोक्ष की और अग्रसर हो ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

कोरोना से खौफ़ज़दा चीन में नये साल का जश्न

चीन में एक कहावत से इसके महत्व का पता चलता है, चाहे जेब में पैसा हो या न हो, हर कोई अपने घर वापस जाकर नया साल मनाना चाहता है। आंकड़ों की मानें तो हफ्ते भर में लगभग 30 करोड़ लोगों ने चीन के भीतर यात्रा की और 28 लाख से अधिक चीनी पर्यटक विदेश घूमने गए। इतना ही नहीं, इस अवधि में 10 करोड़ लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्में देखीं और बॉक्स ऑफिस की कमाई 73 अरब रुपये से ज्यादा रही। इससे जाहिर होता है कि चीनी नागरिकों ने कोरोना के खतरे की भी परवाह नहीं की और छुट्टियों का पूरा लुत्फ उठाया।

अनिल आजाद पांडे

कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीतने का दावा कर चुके चीन में हाल में ओमिक्रॉन वेरियंट ने खूब आतंक मचाया। हालांकि बीजिंग, शंघाई जैसे महानगरों में अधिकांश लोगों को अपनी चपेट में लेने के बाद महामारी अपने पीक से नीचे आ चुकी है। लेकिन इन दिनों छोटे कस्बों और गांवों में कोरोना अपना असर दिखा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह वसंत त्योहार यानी लूनर न्यू ईयर को कहा जा सकता है। क्योंकि इस दौरान करोड़ों चीनियों ने अपने गांव, घरों का रुख किया और अपने परिजनों के साथ त्योहार मनाया। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मास माइग्रेशन कहा जाता है, इतनी बड़ी संख्या में शायद ही किसी और देश में लोग किसी त्योहार के मौके पर इधर-उधर जाते हों। चीन में एक कहावत से इसके महत्व का पता चलता है, चाहे जेब में पैसा हो या न हो, हर कोई अपने घर वापस जाकर नया साल मनाना चाहता है। आंकड़ों की मानें तो हफ्ते भर में लगभग 30 करोड़ लोगों ने चीन के भीतर यात्रा की और 28 लाख से अधिक चीनी पर्यटक विदेश घूमने गए। इतना ही नहीं, इस अवधि में 10 करोड़ लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्में देखीं और बॉक्स ऑफिस की कमाई 73 अरब रुपये से ज्यादा रही। इससे जाहिर होता है कि चीनी नागरिकों ने कोरोना के खतरे की भी परवाह नहीं की और छुट्टियों का पूरा लुत्फ उठाया। इससे चीनी बाजार और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की खबर है। इसके साथ ही लोगों ने मंदिर मेलों में जाने, लालटेन उत्सव का हिस्सा बनने, शेर नृत्य व ड्रैगन नृत्य देखने के अलावा पहेली बुझाने व आतिशबाजी का भी आनंद उठाया। वसंत उत्सव को चीन का नया साल भी कहा जाता है, जो चीन में सबसे बड़ा फेस्टिवल माना जाता है। एक ऐसा उत्सव, जिसमें सात दिन तक विभिन्न कार्यालय व स्कूल, कॉलेज आदि सब बंद रहते हैं। इसे गोल्डनवीक की संज्ञा दी गयी है। छुट्टियां शुरू होते ही ट्रेनों और बसों में घर जाने वालों की भारी भीड़ दिखी, जबकि हवाई व जल मार्ग से यात्रा करने वालों की तादाद भी कम नहीं थी। हालांकि लोगों के लिए टिकट खरीदना आसान नहीं रहता है। अगर चीनी नव वर्ष के इतिहास की बात करें तो यह लगभग 4 हजार साल पुराना है। ऐसा विश्वास है कि इसकी शुरुआत देवताओं और पूर्वजों की पूजा करने, धन कमाने और राक्षसों को भगाने से हुई थी। पहले वसंत उत्सव का कोई नाम नहीं था और न ही इसके उत्सव की कोई निश्चित तिथि निर्धारित थी। लेकिन चीनी चंद्र पंचांग के विकास के साथ-साथ वसंत त्योहार की तारीख तय की गयी, जो प्रत्येक वर्ष अलग-अलग तारीख को होता है। वर्तमान साल चीन में खरगोश का वर्ष है। ध्यान रहे कि चीनी राशि चक्र के मुताबिक हर नया वर्ष किसी न किसी जानवर से जुड़ा हुआ होता है। वैसे इस चक्र में कुल 12 जानवर शामिल होते हैं। जबकि हर 12 साल में यह चक्र दोहराता है। इस राशि चक्र में 12 पशु तय हैं, जिनमें चूहा, बैल, बाघ, खरगोश, ड्रैगन, सांप, घोड़ा, बकरी, बंदर, मुर्गा, कुत्ता और सूअर शामिल हैं। लेकिन वसंत त्योहार के आगमन ने चीन सरकार व एजेंसियों के सामने चुनौती खड़ी कर दी। बता दें कि साल 2020 की शुरुआत में जब चीन के वुहान में वायरस ने तबाही मचाई, तब भी नया साल ही चल रहा था। उसके बाद दो वर्ष तक चीन में इस फेस्टिवल का जोश नदारद रहा, क्योंकि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सख्त नियम लगा दिए गए। इस कारण अधिकतर चीनी अपने परिजनों के साथ मिल-बैठकर त्योहार नहीं मना सके थे। इस बार 21 जनवरी से छुट्टियां होते ही लोगों ने घर वापस जाने का मौका नहीं छोड़ा। गौरतलब है कि हाल में चीन सरकार ने ज़ीरो कोविड पॉलिसी में ढील देने की घोषणा की। विदेशों से आने वाले यात्रियों के लिए भी क्वारंटीन में रहने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गयी। इससे पहले चीन में दुनिया के सबसे कड़े कोविड नियम लागू थे। एक ओर अन्य देशों में कोरोना महामारी की कई लहरें आयीं और लाखों लोगों की मौत हुई, दूसरी तरफ चीन सरकार अपने लोगों को बचाने में कामयाब रही। लेकिन जैसे ही कड़े नियमों को खत्म करने का ऐलान हुआ, लोग आराम से बाहर घूमने लगे। इसी बीच ओमिक्रॉन बीएफ 7 ने चीनियों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के दिनों में शंघाई में लगभग 70 फीसदी लोग कोरोना संक्रमित हुए। चीन के राजनीतिक केंद्र बीजिंग में भी वायरस ने अधिकांश लोगों को अपनी चपेट में लिया। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ देखी गयी। चीन ने दिसंबर से ही कोविड संक्रमित लोगों को घर पर ही आइसोलेट होने की इजाजत दे दी थी। ओमिक्रॉन का यह वेरियंट काफी संक्रामक था। शायद यही वजह है कि कुछ ही हफ्तों में यह वायरस देश के कोने-कोने में फैल गया। राहत की बात है कि वायरस ने युवाओं और बच्चों पर उतना असर नहीं दिखाया, वे 7-10 दिन में ठीक हो गए। पर उम्रदराज और पहले से बीमारियों से जूझ रहे लोगों की वायरस के कारण मौत भी हो रही है। हालांकि चीन ने इस लहर के आते ही कोविड संक्रमण और मौत का डेटा साझा करना बंद कर दिया। उधर डब्ल्यूएचओ का आरोप है कि चीन ने इस लहर की भयावहता को सार्वजनिक नहीं किया। साथ ही इंटरनेशनल हेल्थ एजेंसियां चीन को संक्रमण, अस्पतालों में भर्ती दर और मौत का आंकड़ा शेयर न करने के लिए कठघरे में खड़ा कर रही हैं। चीन की इसके लिए भी आलोचना हो रही है कि उसने लॉकडाउन, क्वारंटीन और क्यूआर कोड स्कैन व्यवस्था खत्म करने से पहले ठीक से तैयारी नहीं की। साथ ही वायरस के प्रसार को लेकर चेतावनी जारी नहीं की। लेकिन चीन ने इन तमाम आरोपों को सिरे से खारिज किया है, उसका कहना है कि उसने सही समय पर नियमों में छूट दी और वायरस से निपटने के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाए। आलोचना के बाद चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने आंकड़े जारी कर बताया कि दिसंबर से जनवरी के बीच एक महीने के दौरान लगभग 60 हज़ार लोगों की कोरोना महामारी की वजह से मौत हुई। इस बीच अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और इंडिया सहित कई देशों ने चीन से आने वाली फ्लाइट्स के यात्रियों के लिए कोविड निगेटिव रिपोर्ट दिखानी अनिवार्य की है। अंतर्राष्ट्रीय जगत के इस कदम से बेहद नाराज चीन ने दक्षिण कोरिया व जापान के नागरिकों को आंशिक तौर पर वीजा देने पर रोक लगा दी। अब चीनी नागरिक त्योहार मनाकर अपने काम पर लौट रहे हैं और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन के बड़े शहरों में फिर से कोरोना संक्रमण में तेजी आ सकती है।

लेखक पिछले पन्द्रह वर्षों से बीजिंग स्थित मीडिया ग्रुप से जुड़े हैं।

आज का राशीफल

मेष	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
वृषभ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कर्क	आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
कन्या	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
तुला	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।
वृश्चिक	आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
धनु	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।
मकर	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कुम्भ	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

अब मुख्यमंत्रियों से तालमेल बिठाने में लगे राज्यपाल

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपालों की मुख्यमंत्रियों के साथ तलवारबाजी अब समाचार नहीं है। केरल और तमिलनाडु के राज्यपालों ने अचानक ही पाला बदल लिया लगता है और अब दोनों अपने मुख्यमंत्रियों के साथ तालमेल बिठाते लगते हैं। ऐसे अद्भुत बदलाव को किसने बल दिया? केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विधानसभा में न केवल वाम मोर्चा सरकार द्वारा दिए गए लिखित भाषण को श्रद्धापूर्वक पढ़ा, बल्कि राज्य सरकार और उसकी विभिन्न योजनाओं की तारीफ भी की। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि केरल सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रही है। राज्यपाल ने अपने हृदय परिवर्तन को सही ठहराते हुए यह टिप्पणी की कि उन्हें हर समय मुख्यमंत्री और उनकी सरकार का विरोध क्यों करना चाहिए? वह विपक्ष के नेता नहीं हैं। इससे पहले महत्वपूर्ण मोड़ साजी चेरियन के शपथ ग्रहण समारोह के बाद आया, जिन्हें छह महीने पहले संस्कृति मंत्री पद से हटा दिया गया था। खैर, राजनीतिक प्रभाव की वजह से मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने चेरियन को मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यह कहते हुए एक मीठी सी खबर दी कि वह मुख्यमंत्री के लिए 'चॉकलेट' का एक डिब्बा लाए हैं। राज्यपाल के कार्यालय ने अगले दिन मुख्यमंत्री कार्यालय से पूछताछ की कि क्या पिनाराई को मिठाई का डिब्बा मिल गया है! जाहिर है, राज्यपाल के दिल छूने वाले हाव-भाव ने राज्य में सियासी तापमान को ठंडा कर दिया है। राज्यपाल ने केरल में मिठाइयों के राजा माने जाने वाले आद्या प्रधमन को भेंट देने के लिए नहीं खरीदा, बल्कि वह कश्मीर से मिठाई का एक डिब्बा ले गए थे। इसका लाभ भी हुआ, मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र की शुरुआत में लाल गुलाब के गुलदस्ते के साथ राज्यपाल का स्वागत करते हुए उनकी सराहना की। इसी तरह, तमिलनाडु में राज्यपाल आर एन रवि ने राज्य सरकार के साथ विधानसभा में तनातनी के बाद अचानक पलटी मारी और मुख्यमंत्री को गणतंत्र दिवस पर चाय-जलपान के लिए अपने आवास पर आमंत्रित किया। यहां राज्यपाल समझ चुके थे कि विधानसभा में अपना भाषण पढ़ने की उनकी कोशिश नाकाम हो गई है। राज्यपाल ने कुछ ऐसा किया कि मुख्यमंत्री अपने बेटे व दस से ज्यादा कैबिनेट मंत्रियों के साथ राज्यपाल के बुलावे पर चले गए। जहां शत्रुतापूर्ण माहौल था, वहां मिलना-जुलना शुरू हुआ। वैसे तिरुवनंतपुरम और चेन्नई में मौजूद राज्यपालों के मन में अचानक बदलाव की वजह क्या है? यह गलती है या राजनीति?

पिछले महीनों में तमिलनाडु और केरल, दोनों में राजभवन की मदद से भाजपा स्वयं को सुर्खियों में रखने में सफल है। तमिलनाडु में प्रदेश भाजपा प्रमुख अन्नामलाई की हरकतों ने उसे खबरों में बनाए रखा है। वह यह दिखाने की कोशिश करते रहे हैं कि राज्य में भाजपा वास्तविक विपक्ष है और अन्नाद्रमुक तीसरे स्थान पर है। राज्य में जिन नेताओं पर भाजपा ने पहले विश्वास कर रखा था, अब उन्होंने पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई के भगवा राजनीति में उदय के बाद खुद को दरकिनार कर लिया है। ऐसे नेताओं ने भाजपा आलाकमान से भी शिकायत की है, उसके बाद ही जोखिम देखते हुए राज्यपाल आर एन रवि ने तमिलनाडु का नाम बदलकर तमिजागम करने पर बहस छेड़ने का फैसला किया। खैर केंद्र के एक फरमान ने शायद राज्यपालों को अपनी धुन बदलने के लिए मजबूर किया है। केरल में, जहां भाजपा प्राय- आवाज बुलंद करने में स्वयं को असमर्थ पाती थी, उसे राज्यपाल के कार्यालय से मदद मिली, पर जो चीज बदली, वह दिल्ली में उसके नेतृत्व द्वारा यह महसूस करना था कि राजभवनों की आक्रामक भूमिका को लोगों द्वारा सराहा नहीं जा रहा। अखबारों के संपादकीय व टीवी बहसों में भी तमिलनाडु के राज्यपाल की आलोचना हुई।

मित्रवत मीडिया को भी उनका बचाव करने में मुश्किल होने लगी। केरल में भी मुख्यमंत्री के साथ राज्यपाल के लगातार झगड़े से कोई लाभ नहीं हुआ। लोगों की सोच के बारे में कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया भी राज्यपालों के खिलाफ गई।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विचार मंथन

अडानी समूह का फर्जीवाड़ा और अमेरिका का वॉटरगेट कांड

(लेखक- सनत जैन)

वॉटरगेट कांड संयुक्त राज्य अमेरिका में 1972 से 1974 के बीच काफी चर्चित रहा। राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के प्रशासन से जुड़ा यह एक प्रमुख राजनैतिक घोटाला था। जिसके कारण राष्ट्रपति निक्सन को इस्तीफा देने के लिए विवश होना पड़ा था। अमेरिका में 5 अपराधियों कोआर्थिक गड़बड़ियों के कारण गिरफ्तार किया गया था। जो अपराधी गिरफ्तार हुए थे। उन्होंने निक्सन प्रशासन के अधिकारियों और निक्सन की राजनीतिक पार्टी को काफी धन राजनीतिक एवं चुनाव के कार्यों के लिए उपलब्ध कराया था। उसके बदले में पांच आर्थिक अपराधियों को अमेरिकी प्रशासन द्वारा संरक्षण देकर उन्हें आर्थिक फायदा पहुंचाया गया था। जब यह मामला उजागर हुआतब राष्ट्रपति निक्सन ने जबरदस्त राजनीतिक दबाव के बाद भी जांच का विरोध किया था। कई महीनों तक वॉटरगेट कांड में हुए घोटाले को लेकर अवरुद्ध बना रहा। जिसके कारण अमेरिका में एक संवैधानिक संकट पैदा हो गया था। 1973 में जांच में बाधा डालने के कई मामलों के बड़े खुलासे हुए। उसके बाद राष्ट्रपति निक्सन पर शिकंजा कसता ही चला गया। अमेरिका की जुडिशरी कमेटी ने निक्सन के खिलाफ न्याय में बाधा डालने शक्ति के दुरुपयोग और आर्थिक लाभ प्राप्त करने के महाभियोग मे तीन आरोपों की जांच की अनुमति प्रदान की। न्याय में बाधा डालने राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग पर महाभियोग चलाने की अनुमति दी गई थी। राष्ट्रपति निक्सन और उनका प्रशासन जब इस मामले में बुरी तरह फंस गया तब 9 अगस्त 1974 को राष्ट्रपति निक्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अमेरिका के निक्सन पहले राष्ट्रपति थे। जिन्हें अपने पद से महाभियोग के आरोप में इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए जेराल्ड फोर्ड ने उन्हें क्षमा कर दिया था। अमेरिका वाटर कांड में 69 लोगों को आरोपी बनाया गया था। 48 शीर्ष स्तर के अधिकारियों को जो निक्सन प्रशासन के महत्वपूर्ण अधिकारी थे। उन्हें राजनीतिक विरोधियों कि यहां जासूसी कराने विपक्षियों को प्रताड़ित करने विपक्षी दलों एवं राजनेताओं को झूठे आरोपों की फंसाने राजनीतिक फायदे के लिए संघीय जांच ब्यूरोकेंद्रीय खुफिया एजेंसी और आंतरिक राजस्व सेवा एजेंसी का बड़े पैमाने पर राजनीतिक विरोधियों को कुचलने के लिए कानूनों का दुरुपयोग किया गया था। अमेरिका में सार्वजनिक घोटाले का यह सबसे बड़ा घोटाला था। जिसमें आर्थिक राजनैतिक और सत्ता में बने रहने के लिए कानूनों के दुरुपयोग मामले का जब खुलासा हुआ। उस समय अमेरिका में भारी खलबली मच गई थी। भारत में जिस तरह से हिंडन बर्ग की रिपोर्ट के बाद एक बड़े आर्थिक घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। इस घोटाले की जड़ें भारत सहित दुनिया के अन्य देशों से भी जुड़े हुई हैं। अडानी समूह की अधिकांश कंपनियों के शेयर लगातार गिरावट पर बने हुए हैं। अडानी समूह पर आर्थिक गड़बड़ी और राजनीतिक संरक्षण के वैसे ही आरोप लग रहे हैं। जैसे 1972 में अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके प्रशासन पर लगे थे। भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और भारत सरकार का संरक्षण अडानी समूह को पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार से प्राप्त हुआ है। जिस तेजी से गौतम अडानी कारोबारी जगत में दुनिया के शीर्ष कारोबारियों की सूची में आए हैं। राजनीतिक संरक्षण दिए जाने के आरोप यहां के विपक्षी दल सरकार पर पिछले कुछ वर्षों से लगातार लगाते रहे हैं। भारत में भी ठीक अमेरिका की तरह राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आर्थिक फायदा प्राप्त करने के लिए अनैतिक रूप से अडानी समूह की कंपनियों को फायदा पहुंचाने का जो काम भारत में हुआ है। उससे बरबस 50 साल पुराने अमेरिका के वॉटरगेट कांड की यादें ताजा हो गई हैं। सरकारी संरक्षण के कारण जिस तरह से अडानी समूह ने फर्जी दस्तावेज तैयार करमनी लांड्रिंग और एकाउंटिंग के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से भारी कर्ज लिया है। शेयर बाजार में शेयर के दाम बढ़ाने और निवेश के लिए जो फर्जीवाड़ा किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने अडानी समूह की कंपनियों में भारी निवेश किया है। भारत को एक नए आर्थिक संकट में पहुंचाने का आरोप हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में लगाया है। उसको छुठला पाना अडानी समूह के लिए अब संभव नहीं रहा। वहीं अडानी समूह के कारण वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निशाने पर आ गया है। भारत की वर्तमान में जो अर्थव्यवस्था है महंगाई और आर्थिक मंदी की समस्या से जब सारा विश्व और भारत जूझ रहा है ऐसे समय में आजादी समूह और राजनीतिक आधार पर सरकार की परेशानियां आगे भी बढ़ने वाली हैं।

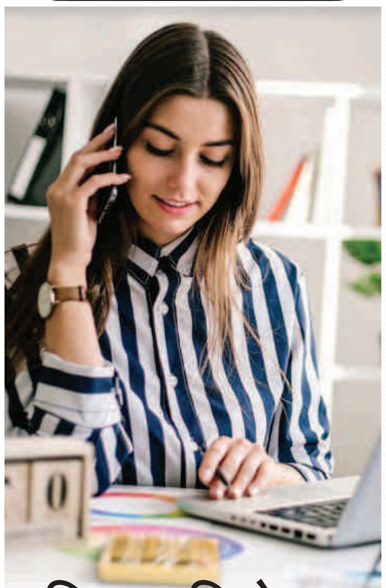

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईसीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता हैं। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बताएंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सफल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़े। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पुरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाएं कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझो

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखें कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाएं।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है। इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सकें हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है।

ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं हैं। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुड्डुचेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

फिलिप्स 6000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी

नई दिल्ली । नीदरलैंड की उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और चिकित्सा उपकरण कंपनी फिलिप्स ने अगले दो साल के दौरान वैश्विक स्तर पर 6000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की है। कंपनी को 2022 में 1.6 अरब यूरो का घाटा हुआ है जबकि 2021 में कंपनी ने 3.3 अरब यूरो का मुनाफा कमाया था। इससे पहले अक्टूबर में कंपनी ने अपने कर्मचारियों की संख्या में 4000 को कम करने की घोषणा की थी। यह कटौती इसके अतिरिक्त है। एम्टर्डम मुख्यालय वाली कंपनी चीन में कोविड की वजह से वैश्विक स्तर पर झटकों को झेल रही है। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध ने भी कंपनी को प्रभावित किया है। कंपनी ने कहा कि 2022 का साल फिलिप्स और हमारे हितधारकों के लिए काफी मुश्किल था। हम अपने क्रियान्वयन और प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए कदम उठा रहे

यूएई की आईएचसी ने अडानी के एफपीओ में किया 40 करोड़ डॉलर का निवेश

मुंबई । अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच अबु धाबी की कंपनी इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) ने अडानी समूह की अडानी एंटरप्राइजेज के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) में 40 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। आईएचसी ने बताया कि इस एफपीओ में निवेश उसने अपनी अनुषंगी ग्रीन ट्रांसमिशन इन्वेस्टमेंट होल्डिंग आरएससी लिमिटेड के जरिए किया है। अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। इसके बाद समूह की कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में भारी गिरावट आई है। हिंडनबर्ग की यह रिपोर्ट अडानी एंटरप्राइजेज की तरफ से 20000 करोड़ रुपए का अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) लाने के ऐन पहले आई। आईएचसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सैयद बसर शोएब ने कहा कि अडानी समूह में हमारी दिलचस्पी का कारण अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के बुनियादी सिद्धांतों में हमारा भरोसा और विश्वास है। दीर्घकालिक नजरिए से हमें वृद्धि की मजबूत संभावना और हमारे शेयरधारकों के लिए अधिक मूल्य देखने को मिल रहा है।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल बोर्ड में शा मिल हुए अनन्या और आर्यमान

नई दिल्ली । परिधान कंपनी आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की संतानें अनन्याश्री बिड़ला और आर्यमान बिड़ला को निदेशक मंडल में अतिरिक्त गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त किए गए हैं। एबीआरएफएल ने शेयर बाजारों को भेजी एक सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर हाल ही में हुई बैठक में अनन्या और आर्यमान की अतिरिक्त गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी। हालांकि इन दोनों नियुक्तियों को अभी शेयरधारकों की मंजूरी मिलनी बाकी है। एबीएफआरएल के मुताबिक अनन्या एक सफल व्यवसायी हैं। उनकी पहली कंपनी स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड तेजी से बढ़ते सूक्ष्म-वित्त संस्थानों में से एक है। इसने 2018 में माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड का सफल अधिग्रहण किया था। वहीं आर्यमान के पास विविध क्षेत्रों मसलन उद्यमिता उद्यम पूंजी निवेश और पेशेवर खेलों का अनुभव है। इसके अलावा वह आदित्य बिड़ला समूह के कई व्यवसायों से भी जुड़े हुए हैं। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि शुरुआती कारोबार में सफल रहे अनन्या और आर्यमान के अब एबीएफआरएल के निदेशक मंडल में शामिल होने से नई ऊर्जा का समावेश होगा।

पिछले साल 4741 टन रही सोने की मांग 11 साल का टूटा रिकार्ड

नई दिल्ली ।

पिछले साल सोने का भाव 50 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास था। इतना महंगा होते होने के बाद भी लोगों ने पिछले साल लोगों ने खूब सोना खरीदा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की नई गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक साल 2022 में सोने की सालाना मांग (ओटीसी को छोड़कर) साल-दर-साल आधार पर 18 फीसदी बढ़ी है। इस साल दुनिया भर में सोने की कुल डिमांड 4741 टन रही। यह साल 2011 के बाद का सर्वोच्च आंकड़ा है। बीते साल चौथी तिमाही के दौरान सोने की कीमत में रिकॉर्ड तेज़ी रही थी। इसी वजह से सोने की मांग में भी बढ़ोतरी हुई। बताया जाता है कि उस समय केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की जबरदस्त खरीदारी हुई। इसके साथ ही इस कमोडिटी में खुदरा निवेश भी खूब हुआ। साल 2022 के दौरान केंद्रीय बैंकों की सोने की खरीद दोगुने से ज़्यादा बढ़ी। एक साल पहले केंद्रीय बैंकों ने 450 टन सोना खरीदा था जो कि साल 2022 में बढ़ कर 1136 टन हो गया। यह 55 वर्षों के रिकॉर्ड का उच्चतम स्तर है। साल 2022 की सिर्फ चौथी तिमाही में ही 417 टन सोने की खरीदारी हुई। यदि साल 2022 की दूसरी छमाही में हुई खरीदारी की बात करें तो यह 800 टन से ज़्यादा रही। साल 2022 के दौरान सोने की इनवेस्टमेंट डिमांड भी पिछले वर्ष के मुकाबले 10 फीसदी ज़्यादा रही। इस बढ़ोतरी की मुख्य रूप से दो वजहें रहीं- पहला कि ईटीएफ आउटफ्लो में सुस्ती रही और दूसरा इस दौरान सोने की सिल्ली तथा सिक्कों की मांग मजबूत रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का कहना है कि दुनिया के कई देशों में निवेशकों के बीच सोने की सिल्ली और सिक्कों की मांग में तेज़ी जारी रही। इससे चीन के बाज़ारों में आई कमज़ोरी से निपटने में मदद मिली। सन 2022 के दौरान यूरोप में सोने की सिल्ली और सिक्कों का निवेश 300 टन का स्तर पार कर गया जिसकी मुख्य वजह जर्मनी में मांग में आई जबरदस्त तेज़ी रही। पश्चिमी एशिया में भी जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली जहां सालाना मांग साल-दर-साल आधार पर 42 फीसदी बढ़ी। साल 2022 में ज्वेलरी की डिमांड में थोड़ी नरमी देखने को मिली। यह तीन फीसदी गिरावट के साथ 2086 टन रही। इस कमज़ोरी की मुख्य वजह चीन में ज्वेलरी की सालाना मांग में आई कमी रही रही। यह कमी 15 फीसदी रही क्योंकि साल भर ज़्यादातर समय कोविड-19 की वजह से लगे लॉकडाउन के कारण ग्राहकों की गतिविधियां सीमित रहीं।

जी-20 रोजगार कार्य समूह की पहली बैठक जोधपुर में होगी

नई दिल्ली । जी-20 रोजगार कार्य समूह की पहली बैठक दो से चार फरवरी तक राजस्थान के जोधपुर में होगी। इस बैठक में स्पेन नीदरलैंड्स और सिंगापुर समेत अन्य अतिथि देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह जानकारी दी। भारत इस साल अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच प्रतिष्ठित जी-20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम का महत्व इसी बात से पता चलता है कि जी-20 समूह के सदस्य देशों की दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद (डीजीपी) में 85 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि वैश्विक व्यापार उनकी हिस्सेदारी तीन-चौथाई हैं। दुनिया की आबादी का लगभग दो-तिहाई इन्हीं देशों में रहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी की मजबूत स्थायी संतुलित और रोजगार-समृद्ध वृद्धि के लिए श्रम रोजगार और अन्य सामाजिक मुद्दों पर बात करने को लेकर रोजगार कार्य समूह अनिवार्य है। बैठक में वैश्विक कौशल अंतर सामाजिक सुरक्षा की रक्षा और उसके लिए भरोसेमंद वित्तीय मदद पर चर्चा की जाएगी। भारत 19 देशों यूरोपीय संघ और नौ अतिथि देशों तथा नौ क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 73 से ज्यादा प्रतिनिधियों की मेजबानी कर रहा है।

बजट आने से पूर्व सोना-चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली । बजट से पहले सोने की कीमतों में जोरदार गिरावट देखने को मिल रही है। 1 फरवरी को देश का बजट पेश किया जाएगा उससे पहले दोनों ही धातुओं की कीमतों में कटौती देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने का भाव 57000 रुपए पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा चांदी का भाव 68500 रुपए के करीब कारोबार कर रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड का भाव 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 57018 रुपए प्रति 10 ग्राम के पर कारोबार कर रहा है। राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 80 रुपए की गिरावट के साथ 56880 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 56960 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इसके अलावा एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों की बात करें तो चांदी 0.07 फीसदी फिसलकर 68543 रुपए प्रति किलोग्राम है। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 68975 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वै श्विक बाजार की बात करें तो यहां पर सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। अमेरिकी गोल्ड 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 1939.20 डॉलर प्रति औंस पर था। इसके अलावा चांदी 0.47 फीसदी की गिरावट के साथ 23.733 डॉलर प्रति औस पर थी।

फ्लिपकार्ट भारतीय कारीगरो को सपोर्ट करने 74वे प्रजासत्ताक दिन पर क्राफ्टेड बाय भारतकी चोथी एडिशन का आयोजन

बेग्लुरु । मेड-इन-इंडिया ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज भारत के 74वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इस साल 26-27 जनवरी तक फ्लिपकार्ट संचालित 'क्राफ्टेड बाय भारत' इवेंट के चौथे संस्करण की घोषणा की। यह कार्यक्रम देश भर में 300 से अधिक कला रूपों से 100,000 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन करके भारत की हस्तशिल्प और हस्तशिल्प की समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाएगा।

'क्राफ्टेड बाय इंडिया' का उद्देश्य भारतीय कारीगरों और बुनकरों को पहचानने और उनके सराहनीय शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है जिसने हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखा है। इस घटना के हिस्से के रूप में उपलब्ध उत्पाद कला और इतिहास दोनों का उदाहरण देते हैं, और उन कलाकारों का समर्थन करते हैं जो अपने उत्पादों को बेचकर जीविकोपार्जन करते हैं। फ्लिपकार्ट के पास इवेंट के लिए प्लेटफॉर्म पर एक समर्पित स्टोरफ्रंट भी होगा, जिसके तहत महिला विक्रेताओं की विशिष्टता का सम्मान करने के लिए महिला विक्रेताओं के उत्पादों को विशेष रूप से हाइलाइट किया जाएगा।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के हिस्से के रूप में, यह आयोजन लोगों को राज-स्थानी कारीगरों द्वारा श्रमसाध्य रूप से तैयार किए गए 'राजस्थानी फर्नीचर', 'डोकरा कला' जैसी कला के करीब लाएगा, जो आदिवासी समुदाय और उनकी गहरी मान्यताओं और मूल्यों का प्रतीक है। कला का पवित्र रूप। , 'बांस के आभूषण' जो प्रकृति और कला का एक अनूठा मिश्रण है, 'तांत साड़ी' जो पश्चिम बंगाल की प्राचीन शिल्प परंपरा और समृद्ध फैशन का प्रतिनिधित्व करती है, 'खादी' और 'कलमकारी' जो भारत और इसकी कला का प्रतिनिधित्व करती है इसकी जड़ों में रहता है।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम से जुड़े लाखों कारीगर, बुनकर, दिव्यांग, स्वयं सहायता समूहों और सरकारी एम्पोरियम की महिलाएं इस कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों, कुछ शहरी केंद्रों के साथ-साथ देश के ग्रामीण इलाकों के लोग भी शामिल हैं। देश भर के अन्य स्थानीय व्यवसायों के बीच विभिन्न सरकारी और निजी ब्रांड इस आयोजन का हिस्सा बननेवाली हैं।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, च्फ्लिपकार्ट की च्समर्थज् पहल भारत के कारीगरों, बुनकरों और हस्तशिल्प उत्पादकों को भारत भर के उपभोक्ताओं तक पहुंचने और उनकी आय बढ़ाने में मदद करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। 2019 में च्समर्थज् के लॉन्च के बाद से, हमने 15 लाख से अधिक विक्रेताओं, बुनकरों और कारीगरों को

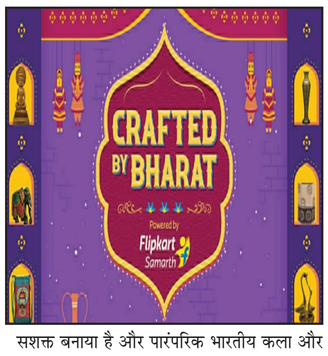

सशक्त बनाया है और पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प में हमारे योगदान पर गर्व है। हम विकास, लचीलापन, डिजिटल परिवर्तन और समृद्धि के लिए ऑनलाइन माध्यम का लाभ उठाने के लिए स्वदेशी और कम सेवा वाले व्यवसायों के लिए अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। च्क्राफ्टेड बाय इंडियाज् कार्यक्रम छोटे उद्यमों और कारीगरों को उनके अपने समुदायों से परे पहचान दिलाने, राष्ट्रव्यापी बाजार तक पहुंचने और बड़ी अर्थव्यवस्था में योगदान करने में सक्षम बनाता है। हमारा निरंतर प्रयास उपभोक्ताओं को भारत की समृद्ध विरासत के करीब लाना और भारत के कारीगरों और बुनकरों की उद्यमशीलता की यात्रा का समर्थन करना है।

भारत की आर्थिक वृद्धि कम होकर 2023 में 6.1 फीसदी रहने का अनुमान: आईएमएफ

वाशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान जताया कि अगले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि कम होकर 6.1 फीसदी रह सकती है जो 31 मार्च को समाप्त होने जा रहे चालू वित्त वर्ष की 6.8 फीसदी की वृद्धि के मुकाबले कम है। आईएमएफ ने जनवरी का विश्व आर्थिक परिदृश्य जारी` किया` जिसमें कहा गया कि वैश्विक वृद्धि भी 2022 के 3.4 फीसदी से घटकर 2023 में 2.9 फीसदी पर आने का अनुमान है। हालांकि यह 2024 में बढ़कर 3.1 फीसदी पर पहुंच सकती है। मुद्रा कोष में अनुसंधान विभाग ने कहा` कि वृद्धि के हमारे अनुमान वास्तव में भारत के लिए तो अक्टूबर के परिदृश्य की तुलना में अपरिवर्तित ही हैं। चालू वित्त वर्ष के लिए 6.8 फीसदी की वृद्धि हासिल करने की बात थी और यह वित्त वर्ष मार्च तक चलेगा। इसके बाद अगले वित्त वर्ष के लिए इसमें कुछ नरमी आने और वृद्धि के 6.1 फीसदी पर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के विश्व आर्थिक परिदृश्य को अद्यतन करते हुए कहा गया` कि भारत में वृद्धि 2022 की 6.8 फीसदी से कम होकर 2023 में 6.1 फीसदी रहने और प्रतिकूल बाहरी परिस्थितियों के बावजूद घरेलू मांग में जुझारुपन से इसके 2024 में फिर बढ़कर 6.8 फीसदी होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक विकासशील एवं उभरते एशिया में वृद्धि 2023 और 2024 में बढ़कर क्रमश- 5.3 फीसदी और 5.2 फीसदी रह सकती है। चीन की अर्थव्यवस्था में कमजोरी की वजह से यह

2022 में कम होकर 4.3 फीसदी पर आ गई थी। गोरिंचेस ने कहा` कि अगर हम चीन और भारत को एक साथ देखें तो 2023 में विश्व की वृद्धि में उनकी हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी होगी। यह एक उल्लेखनीय योगदान है।

अडानी समूह के शेयरों में रही गिरावट

ग्रीन एनर्जी पावर टोटल गैस विल्मर में नहीं कोई खरीदार ट्रांसमिशन में भी भारी गिरावट रही

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप की कंपनियों के बारे में अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडरबर्ग की रिपोर्ट ने घरेलू शेयर बाजार में कोहराम मचा रखा है। अडानी ग्रुप के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई है। ग्रुप की अधिकांश कंपनियों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। इनमें से 5 कंपनियों के शेयरों में लोअर सर्किट लगा। अडानी टोटल गैस में 20 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। शेयर एनएसई पर 585.60 की गिरावट के साथ 2342.40 रुपए पर बंद हुआ। ग्रीन एनर्जी भी 20 फीसदी के लोअर सर्किट पर बंद हुआ। यह एनएसई पर गिरावट के साथ 1189 रह गया। अडानी ट्रांसमिशन में पूरे दिन लोअर सर्किट लगा दिखा। शेयर का दाम एनएसई पर 15.23 फीसदी की गिरावट के साथ 1707.35 अंक पर बंद हुआ। अडानी पोर्ट्स ने आखिर में एनएसई पर 0.85 फीसदी की तेजी के साथ 602 के स्तर पर बंद हुआ। अडानी विल्मर में आज 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। शेयर एनएसई पर 5 फीसदी गिरकर 491 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स में तेजी आई। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर एनएसई पर 3.86 फीसदी की तेजी के साथ 2868 रुपए पर बंद हुआ। एसीसी 1.79 फीसदी की तेजी के साथ 1913.45 रुपए पर बंद हुआ।

बजट से पहले दुनिया में सबसे तेज भागेगी इंडियन इकॉनामी: आईएमएफ

- भारतीय इकॉनमी ग्रोथ 2023 में 6.1 फीसदी जबकि 2024 में 6.8 फीसदी रहने की संभावना

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करेंगी। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का कहना है कि 2023 और 2024 में भारत की इकॉनामी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकॉनामी होगी। आईएमएफ के मुताबिक भारतीय इकॉनमी की ग्रोथ के 2023 में 6.1 फीसदी रहने की संभावना है जबकि 2024 में यह 6.8 फीसदी रह सकती है। दूसरी ओर ग्लोबल इकॉनामी में 2023 में गिरावट आने की आशंका है। 2022 में इसके 3.4 फीसदी रहने का अनुमान था जबकि 2023 में यह 2.9 फीसदी रह सकती है। ग्लोबल इकॉनामी की ग्रोथ 2024 में 3.1 फीसदी रह सकती है। इसी तरह 2023 में चीन की इकॉनामी 5.1 फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। 2022 में उसकी रफ्तार तीन फीसदी रही जबकि 2024 में यह 4.5 फीसदी रह सकती है। आईएमएफ के चीफ इकानॉमिस्ट और डायरेक्टर ने कहा कि 2022 के लिए हमारे पिछले अनुमान में कोई बदलाव नहीं आया है। इस दौरान भारत की इकॉनामी 6.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। 2023 में इसमें थोड़ा गिरावट आ सकती है और यह 6.1 फीसदी रह सकती है। लेकिन 2024 में इसमें फिर 6.8 फीसदी की तेजी आ सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में इकॉनामिक सर्वे पेश करेंगी। उससे पहले आईएमएफ का अनुमान उत्साह बढ़ाने वाला है। आईएमएफ के मुताबिक 2023 में अमेरिका की इकॉनामी का ग्रोथ रेट 1.4 फीसदी रह सकता है। जापान का ग्रोथ रेट 1.8 फीसदी ब्रिटेन का -0.6 फीसदी कनाडा का 1.5 फीसदी और चीन का 5.2 फीसदी रहेगा।

इसी तरह यूरो एरिया का ग्रोथ रेट 2023 में 0.7 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान चीन की इकॉनामी 5.1 फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। 2022 में उसकी रफ्तार तीन फीसदी रही थी जबकि 2024 में यह 4.5 फीसदी रह सकती है। 2022 के दौरान केवल सऊदी अरब की इकॉनामी की रफ्तार ही भारत से अधिक रहने का अनुमान है। इस दौरान इस अरब देश की इकॉनामी 8.7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। साल 2022 में चीन में जीरो कोविड नीति के कारण देश की जीडीपी ग्रोथ गिरकर तीन फीसदी तक आ गई थी। 2023 में चीन की इकॉनामी के 5.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है लेकिन 2024 में इसमें फिर गिरावट आ सकती है। इस दौरान चीन की इकॉनामी की ग्रोथ 4.5 फीसदी रह सकती है।

पांच करोड़ लोगों ने अटल पेंशन योजना का कराया पंजीयन: पीएफआरडीए

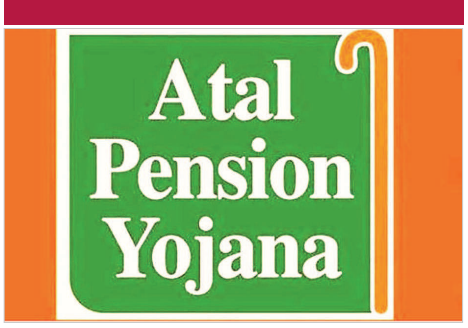

नई दिल्ली ।

पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कहा है कि केंद्र सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत पांच करोड़ से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण कराया है।

पीएफआरडीए ने कहा कि इस योजना ने साल 2022 में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इस दौरान 1.25 करोड़ नए पंजीकरण हुए जबकि साल 2021 में सिर्फ 92 लाख नए पंजीकरण हुए थे। पेंशन कोष ने बताया कि अभी तक 29 बैंक केंद्र सरकार के निर्दिष्ट लक्ष्य को पार कर चुके हैं। सार्वजनिक बैंकों में से बैंक ऑफ इंडिया भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंडियन बैंक ने अपने निर्धारित वार्षिक लक्ष्य को हासिल किया है जबकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) श्रेणी में 21 बैंक लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। आरआरबी में सबसे ज्यादा पंजीकरण झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक विदर्भ कोंकण ग्रामीण बैंक और बड़ौदा यूपी बैंक में हुए हैं। बयान के अनुसार पीएफआरडीए ने 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस अभिभाषण में घोषित प्रसार अभियान के अनुरूप इस योजना के अधिक से अधिक प्रसार के लिए कई कदम उठाए। इस मुहिम से महिला पंजीकरणों का अनुपात 2021 के 38 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गया।

मारुति सुजुकी ने भारत में 2.5 करोड़ बिक्री का आंकड़ा पार किया

- हाइब्रिड और सीएनजी मॉडल की संचयी बिक्री लगभग 21 लाख इकाई रही

मुंबई ।

देश की प्रमुख कंपेनियों में से एक मारुति सुजुकी के नाम बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। जापान की प्रमुख वाहन कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने बताया कि उसकी सहायक कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने इस महीने की शुरुआत में 2.5 करोड़ घरेलू बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने नौ जनवरी 2023 को बिक्री का यह आंकड़ा हासिल किया। सुजुकी ने वर्ष 1982 में मारुति सुजुकी के पूर्ववर्ती मारुति उद्योग के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए और दिसंबर 1983 में अपनी पहली कार-मारुति 800- पेश की। मारुति सुजुकी हाल ही में बढ़ते एसयूवी मॉडल में अपने पोर्टफोलियो को मजबूत कर रही है साथ ही हाइब्रिड (पेट्रोल और बिजली से चलने वाले) और सीएनजी मॉडल को लोकप्रिय बनाने के प्रयास भी कर रही है। हाइब्रिड और सीएनजी मॉडल की संचयी बिक्री लगभग 21 लाख इकाई रही है। साल 2019 में 2 करोड़ का आंकड़ा पार किया था मारुति सुजुकी इंडिया ने फरवरी 2012 में एक करोड़ की बिक्री का आंकड़ा हासिल किया था और जुलाई 2019 में दो करोड़ बिक्री का आंकड़ा प्राप्त किया। इस साल जनवरी में कंपनी ने 2.5 करोड़ बिक्री का आंकड़ा हासिल किया है। इसी महीने मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में करीब 1.1 फीसदी की बढ़ोतरी का ऐलान किया था। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में दूसरी बार कीमत में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। इससे पहले अप्रैल 2022 में वाहनों की कीमत बढ़ाई गई थी। मारुति सुजुकी ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि वह बढ़ती लागत के प्रभाव को कम करने के लिए अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। इसके साथ ही अप्रैल 2023 से लागू होने वाले सख्त उत्सर्जन मानकों के अनुरूप मॉडल बनाने के कारण भी कीमतें बढ़ी हैं।

जेट एयरवेज के पूर्व कर्मचारियों को बकाया देने का आदेश बरकरार

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें जेट एयरवेज को पूर्व कर्मचारियों के भविष्य निधि तथा ग्रेच्युटी के बकाया भुगतान का निर्देश दिया गया था। यह आदेश नकदी संकट का सामना कर रही एयरलाइन के नए मालिक जालान-फ्रिच गठजोड़ के लिए एक बड़ा झटका है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि जो भी इस एयरलाइन से जुड़ने जा रहा है उसे यह पता होगा कि इस पर कर्मचारियों का बकाया है। कर्मचारियों का बकाया हमेशा तरजीह पाता है। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इस तरह शीर्ष न्यायालय ने गठजोड़ की तरफ से दायर याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखा। मामले पर सुनवाई शुरू होने पर

गठजोड़ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ कृपाल ने कहा कि उन्हें 200 करोड़ रुपए की राशि अलग रखनी होगी और फिर एयरलाइन को दोबारा खड़ा कर पाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्ज समाधान प्रक्रिया को मंजूरी मिल जाने के बाद उसे न तो वापस लिया जा सकता है और न ही उसमें कोई बदलाव हो सकता है।

सचिन और बीसीसीआई अधिकारी अहमदाबाद में टी20 विश्व कप विजेता महिला टीम का सम्मान करेंगे

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अधिकारी बुधवार को अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का सम्मान करेंगे। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में खेले गये इस टी20 टूर्नामेंट में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। अंडर-19 महिला टीम को शाम 6¬30 बजे नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अपने एक ट्वीट में लिखा मुझे बहुत खुशी हो रही है कि सचिन तेंदुलकर और बीसीसीआई अधिकारी मोदी स्टेडियम में शाम 6:30 बजे विजयी भारतीय अंडर19 टीम को सम्मानित करेंगे। जय शाह ने कहा इन युवा क्रिकेटरों ने भारत को गौरवान्वित किया है और हम उनकी उपलब्धियों का सम्मान करते हैं। बोर्ड सचिव ने इससे पहले इस विजेता टीम और सहयोगी स्टाफ के लिए 5 करोड़ रुपये के नकद ईनाम की भी घोषणा की थी। शाह ने तभी भारतीय अंडर-19 महिला टीम को अहमदाबाद के मोदी स्टेडियम में जश्न का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था।

तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेंगी भारत और न्यूजीलैंड

अहमदाबाद ।

भारत और मेहमान टीम न्यूजीलैंड बुधवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेंगी। ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक होना तय है। अब तक दोनो ही टीमें इस सीरीज में 1-1 से बराबरी पर है। न्यूजीलैंड ने पहला जबकि भारतीय टीम ने दूसरा टी20 मैच जीतकर सीरीज में वापसी की है। ऐसे में तीसरे मैच और सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी हालांकि अगर आंकड़ों पर गौर करें तो इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। भारतीय टीम ने अब तक यहां खेले गये छह मैचों में से चार जीते हैं और केवल दो मैचों में ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को रांची में खेले गए पहले टी20 मैच में 21 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लखनऊ में भारतीय टीम ने कठिन हालातों के बाद भी जीत दर्ज की। जिसमें टीम इंडिया ने वापसी करते हुए 6 विकेट से मैच जीता और सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। अब तीसरा मुकाबला निर्णायक है जिसमें भारतीय टीम कोई गलती नहीं करना चाहेगी। इस टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम अब तक विफल रहा है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ईशान किशन टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं। वहीं तीसरे नंबर पर राहुल त्रिपाठी भी रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में यदि तीसरा मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाना है तो शीर्ष क्रम के भारतीय बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं पहले टी20 मैच में भारतीय टीम ने 15 रनों पर ही तीन विकेट खो दिए थे। ईशान शुभमन और आकाश पेवेलियन लौट गए थे जबकि दूसरे एकदिवसीय मैच में तीसरा विकेट 50 रनों पर गिरा था। ऐसे में शीर्ष स्तर पर भारतीय टीम को तीसरे मैच में यह गलती नहीं करनी होगी। शुभमन ने अब तक 5 और राहुल त्रिपाठी ने 4 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने अब तक अर्धशतक नहीं लगाये हैं। ऐसे में कप्तान हार्दिक पंड्या इस मैच में किसी एक की जगह पर पृथ्वी शॉ को अवसर दे सकते हैं। पृथ्वी जुलाई 2021 के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्होंने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए असम के खिलाफ 383 गेंदों पर 379 रन बनाये थे। इस पारी में पृथ्वी ने 4 छक्के और 49 चौके लगाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 98.96 का रहा है।

वहीं युवा तेज गेंदबाज शिवम मावी भी अब तक इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पहले मैच में उन्हें 2 ओवर मिले थे जिसमें उन्होंने 19 रन देकर एक विकेट लिया था। वहीं दूसरे मैच में मावी को एक ही ओवर गेंदबाजी मिली थी। इसमें वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में इस मैच में उनकी जगह तेज गेंदबाज उमरान मलिक को भी अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर मेहमान कीवी टीम भी जीत के लिए पूरा जोर लगा देगी हालांकि यह उसके लिए आसान नहीं होगा। टीम के कप्तान मिशेल सेंटनर को इस मैच में अपने बल्लेबाजों को गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

भारत की दीप्ति आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं

राजेश्वरी चार पायदान ऊपर आकर 14वें पायदान पर पहुंचीं

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान के लाभ के साथ ही दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन नंबर एक पर बनी हुई हैं। दीप्ति ने दक्षिण अफ्रीका में जारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला में नौ विकेट लिए थे जिसका लाभ उसे मिला है। दीप्ति और इंग्लैंड एकलेस्टोन के बीच अब अंतर कम होकर केवल 26 अंक का ही बचा है। दीप्ति के 737 अंक हैं और उन्हें ताजा रैंकिंग में एक स्थान का लाभ हुआ है। त्रिकोणीय श्रृंखला में चार विकेट लेने वाली दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नोनकुलुलेको मलाबा भी एक स्थान के लाभ के साथ ही 732 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं भारत की बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ चार स्थान ऊपर आकर 14वें पायदान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान शुट छह स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें और इंग्लैंड की तेज गेंदबाज कैथरीन स्किवर ब्रंट दो स्थान ऊपर आकर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ताहलिया मैकग्रा शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लॉरा वूलवार्ट चार स्थान के लाभ के साथ ही नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स 10 पायदान ऊपर आकर 18वें पायदान पर हैं। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान के लाभ से 22वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष 10 में केवल एक बदलाव के तहत ही ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी पहुंच गयी हैं।

अर्शदीप सिंह को नो बॉल के मुद्दे को सुलझाना बहुत महत्वपूर्ण : गौतम गंभीर

(एजेंसी)।

भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर का मानना है कि गति में विविधता के अलावा, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के लिए यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि वह अपनी नो-बॉल गेंदबाजी के मुद्दे को सुलझाए। अर्शदीप ने जुलाई 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया था। इस साल के दौरान 21 मैचों में 18.12 की औसत, 13.30 की स्ट्राइक रेट और 8.17 की इकॉनमी रेट से 33 विकेट लिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में भारत के लिए दस विकेट लेने के लिए जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भी सराहनीय काम किया और यहां तक कि आईसीसी इमर्जिंग मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामांकन भी अर्जित किया।लेकिन टी20 विश्व कप के समाप्त होने के बाद से टी20 में 10.24 इकॉनमी रेट से उन्होंने रन दिए हैं। गंभीर ने कहा, आप अपनी गेंदबाजी में कुछ नया करने के बारे में सोचते हैं। चाहे वह धीमी बाउंसर हो या स्लो गेंदबाजी। किसी प्रकार की भिन्नता। दुर्भाग्य से, उनके पास वास्तव में बल्लेबाजों को परेशान करने की गति नहीं है। इसलिए कुछ भिन्नता विकसित करनी होगी। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के हवाले से कहा, वह उमरान मलिक नहीं है, वह मोहम्मद सिराज नहीं है। इसलिए एक चीज जो उन्हें करने की जरूरत है, वह शायद अपनी नो बॉल के मुद्दे को सुझाना है।अर्शदीप ने इस महीने की शुरूआत में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में पांच नो-बॉल फेंकी थी, जो किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा फेंकी गई सबसे अधिक थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में, अर्शदीप ने अपने आखिरी ओवर में एक नो-बॉल सहित 27 रन दिए, जिसमें भारत अंतत¬ हार गया।

बॉक्सर तमन्ना बेनीवाल का खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चौथा मेडल जीतने का लक्ष्य

(एजेंसी)।

पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के स्टार एथलीटों में से एक मुक्केबाज तमन्ना बेनीवाल मध्य प्रदेश में भी आगामी सीजन में अपना दबदबा जारी रखने की उम्मीद कर रही हैं।तमन्ना हरियाणा की रहने वाली हैं, जिसने कई वर्षों तक देश में कुछ बेहतरीन मुक्केबाज दिए हैं और यह चलन अभी भी जारी है। मुक्केबाज भिवानी बॉक्सिंग क्लब और रोहतक के साई केंद्र में प्रशिक्षण ले रही हैं। केआईवाईजी 2022 में 50 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता के लिए तैयार है। उन्होंने यूथ गेम्स में अब तक तीन पदक जीते हैं, जिसमें पुणे 2018 में रजत, स्वर्ण पदक गुवाहाटी 2019 और पंचकूला 2021 में गोल्ड शामिल हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने तमन्ना के हवाले से कहा, मैंने केआईवाईजी मध्य प्रदेश के लिए कड़ा प्रशिक्षण लिया है और मैं बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। खेलो इंडिया अभियान के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, खेलो इंडिया सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महान प्रयास है और जमीनी स्तर से बहुत सारे खेल और एथलीटों को प्रोत्साहन मिल रहा है।2014 में बॉक्सिंग शुरू करने वाली तमन्ना के साथ उस साल नागपुर में पहली सब जूनियर गर्ल्स नेशनल में गोल्ड जीतने के बाद 2017 में खेलो इंडिया स्कॉलरशिप स्कीम का हिस्सा बनीं। उसके बाद, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान

बनाई, हाल ही में जॉर्डन में एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने नवंबर 2022 में ला नुसिया, स्पेन में अपनी पहली युवा विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। तमन्ना ने पहले के वर्षों में एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दो रजत पदक भी जीते थे।

संक्षिप्त समाचार

विश्वकप तक इंग्लैंड में रहकर ही पाक टीम को ऑनलाइन कोचिंग देंगे आर्थर

लाहौर। दक्षिण अफ्रीका के मिकी ऑर्थर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच होंगे। ऑर्थर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का कोच बनने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है पर शर्त से रखी है कि वह इंग्लैंड में रहकर ही पाक टीम को ऑनलाइन कोचिंग देंगे। आर्थर ने कहा है कि वह एकदिवसीय विश्वकप से पहले तक पाकिस्तान नहीं जाएंगे। इस दौरान वह इंग्लैंड में रहकर ही पाक टीम को ऑनलाइन कोचिंग देंगे। इस साल भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप में वह टीम के साथ जुड़ेंगे। पाकिस्तान टीम के वर्तमान मुख्य कोच सकलेन मुश्ताक का कार्यकाल फरवरी में समाप्त हो जाएगा। पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) के बाद पाक टीम को यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टी20 सीरीज खेलनी है। अप्रैल में न्यूजीलैंड की टीम पाक दौरे पर जाएगी। सितंबर में होने वाले एशिया कप से पहले पाकिस्तान टीम को श्रीलंका का दौरा करना है। इन सभी सीरीज में ऑर्थर टीम के साथ ऑनलाइन ही रहेंगे। ऐसे में सहायक कोच की भूमिका अहम रहेगी। आर्थर पहले भी पाक के कोच रहे थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका की टीमों को भी कोचिंग दी है। आर्थर ने दिसंबर 2022 में इंगलिश काउंटी टीम डर्बीशायर से 3 साल के लिए करार किया था। पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी हर हाल में आर्थर को पाकिस्तान टीम का मुख्य कोच बनाना चाहते हैं। उन्होंने चेयरमैन बनते ही इसके लिए कोशिशें शुरू कर दी थीं।

आईएलटी20 क्रिकेट लीग में जब गेंद लेकर भागा प्रशंसक

दुबई । यहां खेली जा रही आईएलटी20 क्रिकेट लीग का एक अनूठा वीडियो सामने आया है। इसमें एक प्रशंसक गेंद लेकर ही भाग गया। डेजर्ट वाइपर्स और एमिरेट्स के बीच हुए इस मैच में तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाये। इससे एमिरेट्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 241 रन बनाए। कीरोन पोलार्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंद में 50 रन बनाये पर इस मैच का असली आकर्षण यह रहा कि एक बल्लेबाज डैन मुस्ली ने हवा में एक शॉट खेला। यह गेंद स्टेडियम से बाहर गिरी और एक प्रशंसक गेंद लेकर ही भाग गया। यह मामला 18वें ओवर का है। तब मथीशा पथिराना गेंदबाजी कर रहे थे। उनके इस ओवर की तीसरी गेंद पर मुस्ली ने यह लंबा छक्का मारा था। गेंद स्टेडियम से बाहर सड़क पर आ गयी जिसे एक प्रशंसक लेकर भाग गया। इस दौरान प्रशंसक ने वहां से कार में गुजर रहे एक व्यक्ति को भी यह गेंद दिखायी थी। इसके बद अगले ही ओवर में भी पोलार्ड ने फिर 100 मीटर से लंबा छक्का मारा। इस बार भी गेंद स्टेडियम से बाहर गिरी। इस बार प्रशंसक ने गेंद लेकर भागने की जगह पर उसे उठाकर अंदर फेंक दिया। पोलार्ड ने अपनी पारी में 4 छक्के और 4 चौके लगाये। उन्होंने 19 गेंद में अपना अर्धशतक लगाया। एमिरेट्स ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 241 रन बनाए। वहीं जवाब में डेजर्ट वाइपर्स की टीम 84 रन पर ही सिमट गई। एमिरेट्स की ओर से फजलहक फारुकी ने सबसे अधिक तीन विकेट लिए।

भारत की शेफाली श्वेता और पार्शवी आईसीसी टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल

इंग्लैंड की स्क्रिवेंस करेंगी कप्तानी

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट घोषित की है। इसमें तीन भारतीय खिलाड़ियों कप्तान शेफाली वर्मा उपकप्तान श्वेता सेहरावत और स्पिनर पार्शवी चोपड़ा को शामिल किया गया है। शेफाली ने विश्वकप में 193 की स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह 172 रनों के साथ ही टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी थीं। वहीं गेंदबाजी में भी शेफाली ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए सात मैचों सबसे ज्यादा चार विकेट लिए और इस दौरान उसका इकॉनमी रेट 5.04 रहा। वहीं उपकप्तान श्वेता विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। श्वेता ने पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 92 रन बनाने के अलावा उन्होंने यूएई के खिलाफ नाबाद 74 और न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 61 बनाए। वहीं पूरे टूर्नामेंट में 99 की औसत और 139.43 के स्ट्राइक रेट से 297 रन बनाये। भारत की ही पार्शवी को पहले तीन मैचों में केवल दो विकेट मिले पर इसके बाद उसने लय हासिल करते हुए छह मैचों में 11 विकेट लिए और वह टूर्नामेंट में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। अंतिम सुपर सिक्स मैच में पार्शवी ने श्रीलंका के खिलाफ केवल 5 रन देकर 4 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में तीन और फाइनल में दो विकेट लिये। आईसीसी की इस टीम की कप्तानी इंग्लैंड की कप्तान ग्रेस स्क्रिवेंस को सौंपी गयी है। ग्रेस को भी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला। इसके अलावा इंग्लैंड की ही लेग स्पिनर हन्ना बेकर और तेज गेंदबाज एली एंडरसन को भी इस टीम में जगह मिली है। इस टूर्नामेंट के लिए शामिल अन्य खिलाड़ी हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड की बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर श्रीलंका की हरफनमौला देवमी विहंगा बांग्लादेश की बल्लेबाज शोरना एक्टर दक्षिण अफ्रीका की विकेटकीपर कराबो मेसो ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मैगी क्लार्क और पाकिस्तान की बाएं हाथ के स्पिनर एनोशा नासिर शामिल हैं।

जोधपुर को मिल सकती है आईपीएल मैच की मेजबानी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी संस्करण में जोधपुर स्टेडियम में भी आईपीए मैच का आयोजन हो सकता है। कोरोना संक्रमण का खतरा समाप्त होने के बाद एक बार फिर इस टूर्नामेंट को अखिल भारतीय आधार पर आयोजित किया जाएगा और इसी को देखते हुए राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) को भी एक मैच की मेजबानी मिलने की उम्मीद है। आरसीए को उम्मीद है कि मेजबानी मिलने से राज्य के विभिन्न हिस्सों में खेल का प्रसार और तेज होगा। वहीं एक रिपोर्ट में आरसीए ने स्टेडियम को भी बेहतर बनाया है। साथ ही कहा कि हम कुछ आईपीएल खेलों के लिए जोधपुर को एक नए स्थान के रूप में देख सकते हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर अब बीसीसीआई मेजबानी को लेकर फैसला करेगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि स्टेडियम की बाउंड्री की साइज को लेकर बीसीसीआई ने चिंताएं जतायी हैं। वहीं एक वर्ग का मानना है कि यह आवश्यक दूरी तक नहीं है और इससे जोधपुर के हाथ से मेजबानी का अवसर निकल सकता है। स्टेडियम ने हाल ही में कुछ प्रथम श्रेणी के खेलों की मेजबानी की और इससे उसे मेजबानी मिलने की उम्मीद है। इस मैदान पर साल 2022 में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के कुछ मैच खेले गये थे। इन मैचों में भारी तादाद में लोगों की भीड़ जुटी थी। इस स्टेडियम में 30000 लोगों की मेजबानी करने की क्षमता है और इस प्रकार बड़ी संभावना है कि आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल अंततः जोधपुर को हरी झंडी दे सकता है।

भारत की तरह पाक नहीं बना सकता अलग-अलग टीम : अकमल

लाहौर । भारतीय टीम टी20 और एकदिवसीय में अलग-अलग टीम की रणनीति पर चल रही है। इसी को देखते हुए एकदिवसीय टीम की कप्तानी जहां रोहित शर्मा कर रहे हैं। वहीं टी20 की कमान ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के पास है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट में भी इसी प्रकार प्रारुपों के अनुसार टीम चयन की मांग को लेकर पूर्व कप्तान कामरान अकमल ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पाक बोर्ड (पीसीबी) इसमें सक्षम नहीं है। अकमल ने कहा कि हमारे यहां घरेलू क्रिकेट उस स्तर पर नहीं है कि दो से तीन टीमें बनायी जा सकें। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा 'पहले एक तो टीम पूरी बना ली जाय। साथ ही कहा कि आप साल 2018-19 में 2 या 3 टीमें बना सकते थे। तब देश में घरेलू क्रिकेट कुछ ठीक था पर अब ऐसा नहीं है। हमने घरेलू क्रिकेट को आगे नहीं बढ़ने दिया उसे रोक दिया। जिसका परिणाम सामने है। अब हमारे लिए एक अच्छी टीम बनाना कठिन हो रहा है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज में उसी न्यूजीलैंड को हराया है जो हमें हराकर गयी थी। यही दोनो टीमों में अंतर है। भारत में घरेलू क्रिकेट ढ़ांचा अच्छो होने से वे दो या तीन टीमें बना सकते हैं पर हम नहीं।

मप्र में खेलो इंडिया का आगाज

(एजेंसी)

मध्य प्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का सोमवार को भोपाल में आगाज हुआ। इस आयोजन का केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में उद्घाटन किया।केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने इस मौके पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में खेलों को जिस ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है, उसका एक उदाहरण आज आपके सामने खेलो इंडिया यूथ गेम्स का यह पाचंवा एडिशन है। नौ शहरों में 13 दिन तक यह आयोजन चलेगा और इसमें 6 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह कहीं और नहीं मध्य प्रदेश की इस धरती पर होगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स पिछली बार जब हरियाणा में हुआ तो 12 रिकॉर्ड टूटे थे जिसमें से 11 रिकॉर्ड लडकियों ने तोडे थे। अब मध्य प्रदेश की धरती पर देखते हैं इस बार कितने रिकॉर्ड टूटते हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर रिकॉर्ड खिलाडी तोडेगे तो दूसरी ओर मैं मध्य प्रदेश वासियों से आग्रह करता हूं कि आप स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में आएं, ताकि अगला कोई आयोजन जैसे नैशनल गेम्स या दूसरे आयोजन करने हो तो लगे कि इसका मौका मध्य प्रदेश को मिले। मध्य प्रदेश वासियों से आग्रह है कि सबका दिल जीत लो, आप ऐसा आयोजन करके दिखा दो। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल के लिए खेलो इंडिया का बजट बढ़ाकर 3200 करोड़े रुपये कर दिया गया है। खेलों का बजट भी बढ़ा दिया गया है।ठाकुर ने कहा कि अमूमन जब कोई भी बड़ा टूर्नामेंट होता है, उससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खिलाडियों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाते हैं। इस बार मलखंभ जैसे खेल को भी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल किया गया है। अब यह रीजनल नहीं बल्कि नेशनल गेम हो गया है। जल्द ही यह इंटरनेशनल गेम बनेगा, ऐसा मुझे उम्मीद है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इस आयोजन में खेल भावना की जीत होनी चाहिए। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री निशीथ, मध्य प्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया कार्यक्रम में उपस्थित थे। ठाकुर ने कहा कि अमूमन जब कोई भी बड़ा टूर्नामेंट होता है, उससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खिलाडियों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाते हैं। इस बार मलखंभ जैसे खेल को भी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल किया गया है। अब यह रीजनल नहीं बल्कि नेशनल गेम हो गया है।

हार्दिक की शिकायत के बाद पिच क्यूरेटर बर्खास्त

मुम्बई ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच लखनऊ में हुए दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में खराब पिच के लिए क्यूरेटर पर गाज गिरी है। इस पिच पर दोनो ही टीमें रन नहीं बना पायीं थी। इसके बाद भारतीय टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि टी20 मैचों के लिए ऐसी पिचें नहीं होनी चाहिये। हार्दिक के अलावा पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर और कई दिग्गजों ने भी इस पिच को सही नहीं बताया था। दोनो ही टीमों के लिए इकाना की पिच पर 100 रन बनाने भी मुश्किल हो गये। भारतीय टीम ने किसी प्रकार यह मैच जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल की। मैच के बाद पिच को लेकर सवाल उठे। इसी को देखते हुए उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिशन (यूपीसीए) ने पिच क्यूरेटर को बर्खास्त कर दिया है। हार्दिक ने इस पिच को सदमा देने वाला विकेट करार दिया था। इस विकेट पर 39.5 ओवर में कुल 200 रन बने। हार्दिक ने इससे पहले रांची के जेएससीए स्टेडियम की पिच को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की थी। पंड्या ने कहा था कि दोनों मैचों में विकेट टी20 मैच के लायक नहीं था। सूत्रों के मुताबिक इकाना स्टेडियम के पिच क्यूरेटर ने इस मुकाबले के लिए काली मिट्टी वाली दो पिचें तैयार की थी हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम प्रबंधन ने अंतिम समय पर क्यूरेटर से लाल मिट्टी वाली नया पिच तैयार करने को कहा था। कम समय में इस नई पिच को सही तरीके से तैयार नहीं किया जा सका। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा था कि पिच को लेकर क्यूरेटर ही कोई जवाब दे पायेंगे।

आसाराम को मिला दुष्कृत्य का दंड गांधीनगर कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

गांधीनगर। संत के नाम पर कलंक आसाराम को उसके दुष्कृत्यों की सजा सुनाई गई। सूरत की युवती के साथ दुष्कर्म के केस में गांधीनगर कोर्ट ने आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। गुजरात सरकार ने दुष्कर्म के इस मामले में आसाराम को उम्रकैद की मांग की थी। जबकि बचाव पक्ष ने आसाराम को कम से कम देने की मांग की थी। 9 वर्ष से चल रहे इस मुकद्दमे में आखिरकार कोर्ट ने आज अपना फैसला सुना दिया। गांधीनगर कोर्ट रूम में विशेष सरकारी वकील आरसी कोडेकर और आसाराम के वकील बीएम गुप्ता मौजूद रहे। जबकि आसाराम को जोधपुर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट से जोड़ा गया था। गांधीनगर सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायधीश बीके सोनी ने आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई है। बता दें कि सूरत की युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में सोमवार को गांधीनगर कोर्ट ने आसाराम को दोषी करार देते हुए मंगलवार को यानी आज सजा पर फैसला आज पर छोड़ दिया था। सोमवार को छह आरोपियों आसाराम की बेटी भारती और पत्नी लक्ष्मी के अलावा निर्मला ढेल मीरा बंगलो ध्रुव और जसवती को निर्दोष बरी कर दिया था। आसाराम को सजा सुनाए जाने के बाद सरकारी वकील आरसी कोडेकर ने बताया कि सजा को लेकर हमारी टीम की दलील सुनने के बाद न्यायधीश ने 376 और 377 के अंतर्गत उम्रकैद पीड़िता को रु. 50 हजार का मुआवजा और अन्य सेक्शन में एक-एक वर्ष की सजा तथा नोमिनल फाइन देने का आदेश दिया है। उम्रकैद बाद अधिकतम सजा फांसी की होती है। प्रोसिक्युशन आजीवन कारावास के बाद फांसी की सजा मांग नहीं करता। हांलाकि बचाव पक्ष को अपील करने का अधिकार है। गौरतलब है सूरत की दो बहनों ने वर्ष 2013 में आसाराम और उनके बेटे नारायण सांई के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। दोनों बहनों में छोटी बहन ने नारायण सांई के खिलाफ 2002 से 2005 के दौरान कई दफा दुष्कर्म की शिकायत की थी। युवती के मुताबिक जब वह सूरत स्थित आसाराम आश्रम में रहती थी उस वक्त नारायण सांई उसके साथ गई बार दुष्कर्म किया था। सूरत के जहांगीरपुरा आश्रम में दुष्कर्म की रिपोर्ट 6 अक्टूबर 2013 को दर्ज कराई गई थी। जबकि बड़ी बहन ने आरोप लगाया था कि आसाराम ने उसके1997 से 2006 के दौरान उसका यौन शोषण किया था। सूरत की दोनों बहनों ने आसाराम और नारायण सांई के खिलाफ अलग अलग एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पुलिस ने नारायण सांई के खिलाफ

दुष्कर्म शारीरिक हमला बंधक बनाने समेत अन्य मामला दर्ज किया था। वर्ष 2018 में दुष्कर्म समेत अन्य अपराधों के तहत आसाराम को सजा सुनाई गई थी। पिछले 9 सालों से आसाराम जमानत के लिए कई याचिकाएं दाखिल कर चुके हैं लेकिन उनकी सभी याचिकाएं खारिज की जा चुकी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बनाए गए कर्तव्य पथ पर गुजरात अग्रसर

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश व दुनिया को पुन: प्राप्य ऊर्जा के अधिक से अधिक उपयोग से स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के विनियोग की प्रेरणा दी है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के प्रेरक मार्गदर्शन में गुजरात ने प्रधानमंत्री की इस प्रेरणा को स्वीकार करते हुए 'क्लीन-ग्रीन एनर्जी युक्त गुजरात' थीम आधारित झाँकी 74वें गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में प्रस्तुत की। 74वें गणतंत्र पर्व के राष्ट्रीय स्तर के उत्सव एवं परेड में नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर प्रस्तुत हुई देश के 17 राज्यों की विभिन्न झाँकियों में गुजरात सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए 'क्लीन ग्रीन एनर्जी युक्त गुजरात' को पीपल्स चॉइस अवॉर्ड्स कैटेगरी में देशभर में प्रथम क्रम (स्थान) प्राप्त हुआ है। गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में प्रतिवर्ष देशभर के राज्यों व विभिन्न विभागों द्वारा टैब्लोज़ प्रस्तुत किए जाते हैं। वर्ष 2023 के गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में देश के 17 राज्यों तथा 6 मंत्रालयों सहित कुल 23 टैब्लो की झाँकी प्रस्तुत की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार ने इस वर्ष की परेड में क्लीन एण्ड ग्रीन एनर्जी युक्त गुजरात की झाँकी दर्शाने वाला टैब्लो प्रस्तुत किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं दिशादर्शन में गुजरात ने अपरम्परागत ऊर्जा स्रोतों तथा सौर-पवन ऊर्जा के अधिकतम् उपयोग से क्लीन एण्ड ग्रीन एनर्जी उत्पादन तथा उपयोग का ध्येय सफलतापूर्वक पार किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान एशिया का पहला सोलर पार्क पाटण ज़िले के चारणका में स्थापित किया था। इतना ही नहीं श्री मोदी के कार्यकाल में गुजरात क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) विभाग शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बना था। वर्तमान में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के दिशादर्शन में कच्छ में दुनिया का सबसे बड़ा हाईब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क आकार ले रहा है। रिन्यूएबल एनर्जी को हार्नेस करने की दिशा में गुजरात की इस बेजोड़ उपलब्धि को इस बार की 26 जनवरी की परेड में झाँकी (टैब्लो) के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। इस टैब्लो में कच्छ के खावडा में आकार ले रहे विश्व के सबसे विशाल हाईब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क BESS (Battery Energy Storage System) के माध्यम से सर्वप्रथम 27×7 सोलर ऊर्जा प्राप्त करने वाले मोढेरा गाँव PM KUSUM योजना के माध्यम से सोलर रूफ़टॉप से ऊर्जा उत्पादन से राज्य में हुई सुखद ऊर्जा क्रांति को प्रदर्शित किया गया।

सूरत महानगर पालिका ने 2023-24 में पेश किया 7707 करोड़ का बजट

सूरत।

सूरत की नगर निगम आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने 2023-24 के लिए 7707 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा मसौदा बजट पेश किया है। जिसमें सबसे ज्यादा खर्च पूंजीगत परियोजनाओं पर होगा। पुराने और नए निगमित क्षेत्रों के प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सूरत नगर निगम द्वारा प्रस्तुत मसौदा बजट में आवासीय और गैर-आवासीय संपत्तियों पर कर बढ़ाने का प्रावधान दिया गया है। ड्राफ्ट बजट में शहरवासियों पर कुल 307 करोड़ का टैक्स लगाया जाएगा।

नगर निगम ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 का 7200 करोड का बजट मंजुर किया था इस बार अतिरिक्त 507 करोड के साथ आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 के 7707 करोड का बजट का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही शहरवासियों पर 307 करोड़ का अतिरिक्त टैक्स लगाने का मसौदा बजट में प्रावधान मनपा आयुक्त द्वारा किया गया है। प्रति वर्ग मीटर आवासीय संपत्तियों की सामान्य कर दर केवल 4 रुपये प्रति वर्ग मीटर और गैर आवासीय संपत्तियों की सामान्य कर दर में प्रति वर्ग मीटर 10 रुपये बढ़ा दी गई है। नगर निगम द्वारा कई सालो के बाद संपत्ती कर में वृद्धि की गई है। सामान्य करों में अनुमानित वृद्धि रु.152.18 करोड़, उपयोगकर्ता शुल्क (युजर चार्जिस) में अनुमानित वृद्धि रु. 148.66 करोड़, पानी के मीटर शुल्क में रुपये 6 करोड़। सूरत शहर में इलेक्ट्रिक वाहन पॉलीसी-2012 के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए यांत्रिक परिवहन शुल्क में 75% छूट दी है।स्थायी समिति और जनरल बोर्ड अगर मनपा आयुक्त द्वारा सुचित अतिरिक्त टेक्स को मंजुर करती है तो शहरवासियों पर 1 अप्रैल 2023 से 307 करोड रुपये का करबोज का भार वहन करना होगा।

नए क्षेत्रों के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए 824 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नव निगमित क्षेत्र में पानी, सड़क व बिजली की सुविधा पर खर्च किया जाएगा। सूरत शहर के नए सीमांकित क्षेत्रों में अभी तक कोई बड़ी सुविधा का काम पूरा नहीं किया गया है लेकिन वर्ष 2023-24 में काम में तेजी लाने के लिए काम किया जाएगा।सूरत नगर निगम ने केपीटल प्रोजेक्टों पर 3519 करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया है। केपीटल खर्च में सबसे बड़ा खर्च गरीबों को तेजी से सुविधाएं मुहैया कराने के लिए है। इंटेकवेल और फ्रेंचवेल जल्दी किया जाएगा। सूरत शहर में तीन नए पुलों का निर्माण किया गया है।वर्ष 2023-24 के बजट में तीन नए पुलों के निर्माण का प्रावधान किया गया है। एक पुल की लागत 60 करोड़ होगी जबकि अन्य 2 पुल नव निगमित क्षेत्र और शहर को जोड़ेंगे, जिस पर 40 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।10 साल में शहर की आबादी दोगुनी हो गई है। जनसंख्या वृद्धि देश के किसी भी शहर में इतनी नहीं है। सूरत को वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ ले जाने की योजना है। गुजरात में अहमदाबाद के बाद सूरत नगर पालिका का सबसे बड़ा बजट है। नगर पालिका में नए गांवों को शामिल किया गया है। इसलिए इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत स्थापना के साथ बढ़ेगी।सूरत शहर में राज्य के सबसे अधिक फायर स्टेशन होंगे। सूरत में 6 नए फायर स्टेशन बनेंगे। इसके साथ ही कुल 30 फायर स्टेशन हो जाएंगे। औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां आग लगने की कई घटनाएं होती हैं, इस सुविधा को बढ़ाया गया है।

गुजरात को ग्रोथ इंजन बनाने व कृष्णमय-कलामय संस्कृति के जतन में भरवाड समाज का बहुमूल्य योगदान है : मुख्यमंत्री

बनासकांठा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि गुजरात को ग्रोथ इंजन बनाने तथा गुजरात की कलामय संस्कृति के जतन में भरवाड समाज का बहुमूल्य योगदान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास और सबका विश्वास' के मंत्र के साथ छोटे से छोटे व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा में लाने की चिंता करते हैं। इस मंत्र को आत्मसात करके गोपालक समाज ने भी विकास किया है। पटेल ने बनासकाँठा ज़िले के थरा में आयोजित पंचामृत महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर प्रेरक उपस्थिति देते हुए पाणिग्रहण करने वाले नवदम्पतियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने समस्त भरवाड समाज की गुरुगादी 'श्री ग्वालीनाथ महादेव' के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि थरा समैयो-पंचामृत महोत्सव में धर्म भक्ति तथा सेवा का त्रिवेणी संगम रचा है। पूज्य महंत ब्रह्मलीन शिवपुरी बापू के दिव्य प्रताप तथा प्रेरणा से यह संभव हुआ है। भरवाड गोपालक समाज ने कृष्णमय संस्कृति को जीवंत रखा है। इस समाज को भगवान श्री कृष्ण उसके साथ होने का आत्मविश्वास आत्मनिर्भर बनाता है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि भरवाड समाज या अन्य किसी भी समाज के शैक्षिक उत्थान के लिए सरकार प्रत्येक समाज के साथ है। आज जब भरवाड समाज विशिष्ट प्रगति कर रहा है तब आज़ादी के अमृत महोत्सव अवसर पर आत्मनिर्भर गुजरात तथा विकसित गुजरात बनाने में सभी को योगदान देना है। इस अवसर पर समस्त गोपालक-भरवाड समाज की गुरुगादी 'श्री ग्वालीनाथ धाम' के महंत घनश्यामपुरीजी महाराज ने समस्त भरवाड समाज तथा गुरुगादी की ओर से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का स्वागत किया। उन्होंने अपने प्रासंगिक उद्बोधन में कहा कि 914 वर्ष पहले यहाँ थरा की धरा पर 3005 बेटियों का समूह विवाह हुआ था। पुनः एक बार इतिहास का पुनरावर्तन हुआ है और आज 3001 बेटियों का समूह विवाह सबके साथ सहयोग सेवा एवं समर्पण से सम्पन्न हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को समाज के परम्परागत परिधान पगड़ी तथा कोटी पहना कर उनका हर्षपूर्वक स्वागत किया। महंत ने गोपालक भरवाड समाज भी अन्य समाज के साथ विकास कर सके; इसके लिए शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए समाज से शिक्षा की व्यापकता बढ़ाने की अपील की। थरा समैयो-पंचामृत महोत्सव में 3001 बेटियों के समूह विवाह महारुद्र यज्ञ भंडारा महोत्सव पुनः प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव तथा श्रीमद् भागवत सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया है।

राष्ट्रीय किशोरी दिवस पर "किशोरी उत्कर्ष पहल" का शुभारंभ

हमारे समाज की किशोरियों में देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में योगदान करने की अपार क्षमता हैलेकिन जानकारी की कमी और उनके जीवन को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर सीमित दायरे के कारण, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, किशोरियोंको कई सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, विभिन्न विषयों पर जागरूकता हासिल करने के लिए गुणात्मक प्रशिक्षण के माध्यम से किशोरियों की क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना और दैनिक जीवनमें किसी भी अप्रत्याशित समस्या से सहज रूप से निपटने के लिए तैयार रहना बहुत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में जिला प्रशासन, भरुच का लक्ष्य है कि जिले की सभी इच्छुक किशोरियां प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता,पोषण, कौशल विकास, विशिष्ट अधिकार एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं में गुणात्मक प्रशिक्षण के माध्यम सेजागरूकता प्राप्त करें और "आदर्श किशोरी"काखिताब हासिल करें। जिला प्रशासन, भरूच द्वारा प्रस्तावित "किशोरी उत्कर्ष पहल" के कार्यान्वयन की प्रक्रिया सभी प्रतिभागियों (मुख्य रूप से डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन, भारतकेयर्स/ सीएसआरबॉक्स फाउंडेशन, यूनिसेफ, एमएस विश्वविद्यालय, वड़ोदरा,जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षाप्राथमिक कार्यालयशिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला पंचायत, भरूच की स्वास्थ्य शाखा, आईसीडीएस प्रकोष्ठ) के साथ आयोगितकिया गया।

बस-कार के बीच दुर्घटना में एनआरआई समेत 4 की मौत मुंबई से पकड़नी थी लंदन की फ्लाइट

सूरत। सूरत-मुंबई नेशनल हाईवे पर चारोटी जंक्शन के निकट बारडोली से मुंबई जा रही कार एक बस से टकरा गई। बस से टकराते ही कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 4 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो एनआरआई हैं जिन्हें लंदन जाने के लिए मुंबई एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ने थी। जबकि दो लोग एनआरआई को छोड़ने मुंबई जा रहे थे। दुर्घटना में चार लोगो की मौत से बारडोली के व्होरवाड क्षेत्र के मुस्लिम समाज में मातम व्याप्त है। जानकारी के सूरत जिले के बारडोली में अपने परिवार से मिलने आए एनआरआई इब्राहिम दाऊद और आशिया कलेक्टर को लंदन लौटना था। उनके रिश्तेदार इस्माइल महमद देसाई और स्कोडा कार चालक महमद सलाम हाफेजी बाय रोड इब्राहिम दाऊद और आशिया कलेक्टर मुंबई एयरपोर्ट छोड़ने जा रहे थे। तड़के करीब 4 बजे के आसपास स्कोडा कार एक बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्थ थीकि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार इब्राहिम दाऊद आशिया कलेक्टर इस्माइल देसाई और कार चालक महमद सलाम हाफेजी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। चार लोगों की मौत की खबर मिलते ही बारडोली के व्होरवाड क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय में मातम पसर गया। पुलिस के मुताबिक कार चालक के स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवाने की वजह से दुर्घटना हुई।

दाऊदी बोहरा वूमेंस एसोसिएशन फॉर रिलिजस फ्रीडम ने सेल्फ-डिफेंस वर्कशॉप के साथ राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया

मुंबई। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर 24 जनवरी को दाऊदी बोहरा वूमेंस एसोसिएशन फॉर रिलिजस फ्रीडम ने मझगाँव के एमएसबी स्कूल और पायधोनी के सैफी हाई स्कूल में लगभग 200 लड़कियों के लिए सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप आयोजित की। एक एक्सपर्ट कोच ने स्कूल का दौरा किया और युवा लड़कियों के लिए लाइव इंटरैक्टिव सेशन और डेमोस्ट्रेशन आयोजित किया।

सत्र के माध्यम से, लड़कियों को संभावित खतरनाक स्थितियों में खुद को बचाने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस किया गया, इसमें सेल्फ-डिफेंस के बारे में अवेयरनेस, महिलाओं के लिए उपलब्ध पुलिस सुविधाओं के बारे में बेसिक जानकारी और हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा सकने वाली रोजमर्रा की वस्तुओं की पहचान शामिल थी। एक्सपर्ट कोचेस ने बेसिक हमले और डिफेंस टेक्निक के साथ-साथ एक हमलावर के साइकोलॉजी के बारे में भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, लड़कियों को रियल लाइफ सिनेरियो को हैंडल करने के लिए भी ट्रेनिंग दी गई साथ ही बेसिक फिटनेस गाइडेंस और ताकत बढ़ाने के तरीकों के बारे में भी बताया गया।

दाऊदी बोहरा वूमेंस एसोसिएशन फॉर रिलिजस फ्रीडम की चेयरपर्सन रशीदा दीवान ने इस पहल पर टिप्पणी की और कहा, च्हमें राष्ट्रीय बालिका दिवस पर यह प्रोएक्टिव कदम उठाने पर गर्व है क्योंकि ये सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप युवा लड़कियों और भविष्य की महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करेंगी। हम यह दृढ़ता से मानते हैं कि लड़कियों को मजबूत, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए केवल शिक्षा ही काफी नहीं है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें खुद को बचाने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करें और किसी भी स्थिति में उनका विश्वास बनाएं। आत्मरक्षा केवल शारीरिक शक्ति के बारे में नहीं है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक सशक्तिकरण के बारे में भी है। इस विशेष

श्री स्वामीनारायण एच वी विद्यालय में बैगलेस डे मनाया गया

सूरत।

अड़ाजन श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय में 31 जनवरी मंगलवार के दिन बैकलेस डे का आयोजन कक्षा 6 के विद्यार्थियों के लिए किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को मैकेनिकल कार्पेंट्री कृषि और बुनाई काम के विषयों की विभिन्न गतिविधियों में लगाया गया। सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वोकेशनल शिक्षण के तरफ सरकार शिक्षा विभाग का ध्यान आकर्षित कर रही है। विद्यार्थियों में बचपन से ही शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक रूप से उपयोगी व्यवसायियों के बारे में व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना है ताकि बच्चे अपनी दैनिक जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बने। विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश भाई गोंडालिया ने पूरे विद्यालय परिवार के साथ-साथ छात्रों और अभिभावकों को अपना समर्थन और सराहना व्यक्ति की।

प्लेटिनम डेज़ ऑफ लव के खूबसूरत प्लेटिनम लव बैंड्स के साथ वैलेंटाईन डे मनाईये

दिलों में वैलेंटाईन डे की खुशी के साथ प्यार के मौसम में प्रवेश करते हुए यह प्रेम की अभिव्यक्ति करने, प्यार बढ़ाने और प्यार के बेहतरीन लम्हों को याद करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त समय है। यह वो प्यार है, जो एक दूसरे में पूर्णता की खोज करने हुए अपने सर्वश्रेष्ठ साथी को तलाशने का सफर पूरा कर चुका है। इस प्यार की खुशी को अभिव्यक्त करने के लिए प्लेटिनम जैसा मजबूत मैटल बिल्कुल उपयुक्त है, जिसकी बेहतरीन चमक और सालों तक अपनी मजबूती बनाए रखने की अद्वितीय क्षमता के कारण यह एक दूसरे के प्रति सम्मान और प्रगतिशील मूल्यों का प्रदर्शन करने वाले प्रेम का प्रतीक है। इस वैलेंटाईन डे के अवसर पर इस दुर्लभ प्रेम के प्रतीक अपने साथी को पीजीआई के प्लेटिनम डेज़ ऑफ लव द्वारा नज़ाकत से बनाए गए प्लेटिनम लव बैंड्स का उपहार दें।

खूबसूरत व्हाईट मैटल प्लेटिनम 'मैटल ऑफ लव' के नाम से मशहूर है। यह नए युग के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और युवा पीढ़ी द्वारा प्रेम एवं साहचर्य की भावना को प्रदर्शित करता है। नजाकत से बनाया गया हर लव बैंड प्यार की एक विशेष कहानी कहता है, यह दुख पर खुशी की जीत और सामाजिक रूढ़ियों पर पारस्परिक सम्मान का वर्चस्व प्रदर्शित करता है। इस प्यार की नींव मित्रता है। अपनी उंगलियों में पहने लव बैंड्स पर अपने खास की उंगलियों के कोमल स्पर्श के साथ प्यार का एक वादा जुड़ा हुआ है कि वो उनका सहयोग करने, उन्हें प्रोत्साहित करने और उन्हें दिलासा देने के लिए हमेशा उनके साथ रहेंगे।

हाउस ऑफ अजमल ने पेश किया आर्टिसन कंसन्ट्रेटेड परफ्यूम

मुंबई। 71 वर्षों के अनुभव के माध्यम से प्राप्त एक समृद्ध विरासत के साथ विश्व स्तर पर जाना जाने वाला, स्वदेशी परफ्यूम ब्रांड, अजमल परफ्यूम्स एक नए अवतार में 'आर्टिसन कंसन्ट्रेटेड परफ्यूम ऑयल्स' की एक रेंज को पेश की है। आर्टिसन कंसन्ट्रेटेड परफ्यूम 12 एक्सक्लूसिव अल्कोहल-फ्री लग्ज़रीअस ऑयल्स का कलेक्शन हैं, जिन्हें स्लीक और सुविधाजनक रोल-ऑन फॉर्मेट में शानदार तरीके से तैयार किया गया है। चूंकि ये विशुद्ध रूप से तेल मिश्रण हैं, इसलिए वे किसी भी डाइल्यूट परफ्यूम ऑयल वाले परफ्यूम स्प्रे की तुलना में इनकी खुशबू ज्यादा देर तक रहती है। कस्तूरी, जुनिपर, और लैवेंडर से लेकर पचौली, एम्बर और ब्लैक करंट तक, हर कम्पोजिशन बेहद शानदार और मदहोश करने वाली है।

अजमल परफ्यूम्स की कंसन्ट्रेटेड फ्रेगरेंस रेंज आकर्षक शक्तिशाली इंग्रीडियंड के मेल से कहीं अधिक है; यह आपके फ्रेगरेंस के प्रति जुनून को बढ़ावा देने के लिए एक जादू भी है। प्रत्येक वैरियंट को एक विशिष्ट पल को खास बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये एलिगेंट परफ्यूम बेहद आसानी से कैरी किए जा सकते है, ये हर जेब या पर्स में फिट हो जाते हैं, और चलते-फिरते सुगंधित टच-अप के लिए बहुत अच्छे हैं। अजमल परफ्यूम की यह नई रेंज केवल मिंत्रा पर उपलब्ध होगी।

अजमल ग्रुप के सीईओ अब्दुल्ला अजमल कहते हैं कि हम भारतीय बाजार में कंसन्ट्रेटेड परफ्यूम रोल-ऑन की आर्टिसन रेंज का अनावरण करते हुए प्रसन्न हैं, एक नई कैटेगरी जिसका उद्देश्य विकसित भारतीय मिलेनियल्स और जेन जेड के लिए सुलभ, सशक्त और अद्वितीय सुगंध बनाना है। परफ्यूम्ड ऑयल अल्कोहल फ्री फार्मूलेशन लंबे समय तक रहने वाली इंटेस खुशबू प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि ये कंसन्ट्रेटेड

परफ्यूम रोल-ऑन भारत की फ्रेगरेंस यात्रा में अगला बड़ा ट्रेंड बन जाएगा, नए लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए अजमल एंड संस के भारत के एनएचए डिवीजन के प्रेसिडेंट सौरव भट्टाचार्य कहते हैं, कंसन्ट्रेटेड परफ्यूम के साथ, हम युवा ऑडियंस को फ्रेगरेंस के अंदर एक नई कैटेगरी में पेश करना चाहते हैं जो ट्रैवल फ्रेंडली और लंबे समय तक चलने वाला है। हम ग्राहक को एक विश्व स्तरीय उत्पाद देने के साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह जेब पर भारी न पड़े।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)